प्रातः काखीन र मुरादाबाद से प्रकाशित य जिल्ला स्वास्त्र स्वास्त स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र अंक:- 213 मुरादाबाद (Tuesday) **25 November 2025** भारत सरकार से रजिस्टर्ड पृष्ठः- 08 RNI No.UPBIL/2021/83001 मूल्यः- 3.00 रूपया

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

नहीं रहे धर्मेंद्र, 89 साल की उम्र में दुनिया

को कहा अलविदा;पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि पर ही किया जाने लगा। लेकिन है। महज 21 साल की उम्र में के रोल में अगस्त्य नंदा नजर धर्मेंद्र पिछले कुछ वक्त मुंबई

आएंगे। यह फिल्म 25 दिसंबर

को रिलीज होने वाली

है। बॉलीवुड के

धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे बीते कुछ दिनों से उम्र संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। सोमवार को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा। बॉलीवुड के ही-मैन कहे जाने वाले दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने 89 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। धर्मेंद्र के निधन से देओल परिवार समेत पूरे सिनेमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। उम्र संबंधी बीमारियों के चलते

संक्षिप्त समाचार

मुंबई हमारे हाथ से छूट गई, तो ये लोग..., बीएमसी चुनाव से पहले मराठी समुदाय को लेकर ये बोले राज

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों से

ठाकरे

पहले सियासत में जबरदस्त गर्माहट है। इसी बीच मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने इस चुनाव को मराठी समुदाय के लिए आखिरी महत्वपूर्ण चुनाव बताया। एक कार्यक्रम को संबोधित करते करते हुए राज ठाकरे ने कार्यकर्ताओं और मतदाताओं से सतर्क रहने और मतदाता सूची अनियमितताओं पर ध्यान देने की अपील की। साथ ही चेतावनी दी कि अगर लापरवाही हुई तो मुंबई उनके हाथ से छूट सकती है।महाराष्ट्र में होने वाले निकाय चुनावों से पहले राज्यभर की सियासत में गर्माहट सातवें आसमान पर पहुंच गई है। चुनावी रण में राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी अपने चरम पर है। ऐसे में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने बीएमसी चुनाव से पहले महाराष्ट्र के लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने इसे मराठी समुदाय के लिए आखिरी महत्वपूर्ण चुनाव बताया है।रविवार को मनसे के कोकण महोत्सव के उद्घाटन के दौरान राज ठाकरे ने कहा कि बीएमसी चुनाव के आसपास का राजनीतिक माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया है। ठाकरे ने कहा कि मराठी लोगों के लिए यह बीएमसी चुनाव आखिरी महत्वपूर्ण चुनाव है। अगर हम लापरवाह बने तो यह चुनाव

हमारे हाथ से चला जाएगा।

के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती रहे। इसके बाद घर पर उनका इलाज चल रहा था। लेकिन अब उनके निधन की खबर सामने आई है। प्रोड्यूसर करण जौहर ने सोशल मीडिया पोस्ट करके दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन की जानकारी दी।करण जौहर ने निधन को लेकर की पोस्ट धर्मेंद्र के निधन के बाद करण जौहर ने दिग्गज अभिनेता को श्रद्धांजलि दी। जिसमें वह लिखते हैं, 'एक युग का अंत हो गया।' धर्मेंद्र के घर के बाहर कई

बाँ ली वृड सेलिब्रिटीज को देखा गया। इसमें अमिताभ बच्चन से लेकर देओल परिवार नजर आया। लंबे समय से बीमार थे धर्में द्र 8

दिसंबर 1935 को जन्मे धर्मेंद्र

की आगामी फिल्म इक्कीस इस

वक्त के साथ तबीयत नहीं

सुधरी और आज सोमवार

यानी 24 नवंबर 2025

को धर्मेंद्र का निधन हो

गया। धर्में द्र की

आखिरी फिल्म होगी

%इक्रीस%- 89 साल

की उम्र में भी धर्मेंद्र

एक्टिंग में सिक्रय थे।

अमिताभ बच्चन

देश के लिए इस सैन्य अधिकारी

की उम्र में निधन हो गया है। वे बीते कुछ दिनों से उम्र संबंधी समस्याओं से जुझ रहे थे। सोमवार को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा।बॉलीवुड के

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित

थे। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को 10 नवंबर को अचानक तबीयत बिगड़ने पर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया और गुरुद्वारों में, उनके बचपन के दोस्त और प्रशंसक उनके लिए प्रार्थना कर रहे थे। इस दौरान उनके भेज दिया था। तब से

शोक की लहर है। फगवाड़ा

सोशल मीडिया पर पोस्ट की। फगवाड़ा से नाता कभी कम नहीं

की सूचना से फगवाड़ा में भी उनके निधन की खबर चलाई। आपको बता दें कि फगवाडा में वह शहर है जहां हीमैन धर्मेंद्र उनके बचपन के सबसे करीबी ने अपना बचपन गुजारा था। साथी समाजसेवक कुलदीप धर्मेंद्र कभी फगवाड़ा में बिताए सरदाना, हरजीत सिंह परमार, अपने बचपन को नहीं भूले। एडवोकेट शिव चोपड़ा धर्मेन्द्र अपनी पंजाब यात्राओं के दौरान के साथ तब से थे जब उन्हें वह फगवाड़ा में अवश्य रुकते सिर्फ धरम के नाम से जाना थे और बचपन के दोस्तों से जाता था। धर्मेंद्र के पिता मास्टर मिलने के लिए समय निकालते केवल कृष्ण चौधरी आर्य हाई स्कूल में गणित और सामाजिक अध्ययन पढ़ाते थे। धर्मेंद्र ने 1950 में यहीं से मैट्रिक की। 1952 तक रामगढ़िया कॉलेज था, तभी से फगवाड़ा के मंदिरों में आगे की पढ़ाई की।आर्य हाई स्कूल में उनके सहपाठी, वरिष्ठ एडवोकेट एस.एन चोपड़ा कहते थे कि धर्मेंद्र में एक खास चमक थी। प्रसिद्धि ने उनकी विनम्रता निधन के अफवाह भी को कभी नहीं बदला। हरजीत उड़ी थी। बाद में डॉक्टरों सिंह परमार के अनुसार जब भी ने उन्हें अस्पताल से घर वह आते, तो हमारे साथ बैठना, पुरानी बातें करना, मजाक करना घर पर ही उनकी और पुरानी यादें ताजा करना देखरेख की जा रही चाहते थे। वह कभी किसी स्टार थी।सोमवार को उनके निधन की तरह नहीं आए, वह हमारे की खबर आने से शोक की दोस्त की तरह आए।रामलीला लहर दौड़ गई। करण जौहर ने में नहीं मिली थी भूमिका उनके निधन की पुष्टि करते हुए प्रसिद्धि के बावजूद, धर्मेंद्र का

पुराने पैराडाइज थिएटर और शहर के बदलते स्वरूप के बारे में किस्से साझा करते हुए कई अविस्मरणीय शामें धर्मेन्द्र ने फगवाडा में बिताईं।एक किस्से में धर्मेंद्र ने एक बार बताया था कि अभिनय के दिनों से पहले, उन्हें कौमी सेवक रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित एक रामलीला में भूमिका के लिए अस्वीकार कर दिया गया था। कई साल बाद उन्होंने अपने दोस्तों को चिढ़ाते हुए कहा कि क्या अब मुझे रामलीला में कोई भूमिका मिल सकती है।फगवाड़ा जिंदाबाद- फगवाड़ा शहर से उनका गहरा जुड़ाव 2006 में तब उजागर हुआ जब वे पुराने पैराडाइज थिएटर की जगह बने गुरबचन सिंह परमार कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करने आए। हजारों लोगों के सामने धर्में द्र ने कहा था फगवाड़ा जिंदाबाद! हरजीत सिंह परमार बताते थे कि वह और उनकी पत्नी प्रकाश कौर हमारे घर आए और मेरी मां से आशीर्वाद लिया। उन्होंने हमारे साथ परिवार जैसा व्यवहार किया, क्योंकि उनके लिए हम परिवार ही थे।

कुछ दिन पहले ब्रीच कैंडी दिग्गज अभिनेता की आखिरी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अस्पताल में भर्ती थे। कई दिनों फिल्म होगी। फिल्म 'इक्कीस' अभिनेता धर्में द्र ने आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार तक अस्पताल में इलाज चला। की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की निभाया। वहीं अरुण खेतरपाल सरकार पर हमलावर हुई कांग्रेस, PM मोदी का वीडियो साझा कर याद दिलाए पुराने बयान



को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना

मुकाबले रुपये की गिरती कीमत डॉलर के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ साधा है। पार्टी के महासचिव था। घरेलू विदेशी मुद्रा बाजार (संचार) जयराम रमेश ने इसे में डॉलर की भारी मांग, स्थानीय लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर और वैश्विक शेयर बाजारों में कटाक्ष किया और 2013 में बिकवाली के दबाव और व्यापार गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए से जुड़ी अनिश्चितताओं ने इस यूपीए सरकार पर किए गए उनके ि गिरावट को और बढ़ाया।सरकार ही पुराने बयान की याद दिलाई। पर निशाना साधते हुए जयराम गौरतलब है कि सोमवार को रमेश ने एक्स पर लिखा, डॉलर रुपया 89.46 प्रति डॉलर पर के मुकाबले रुपये का फी फॉल हुए 89.17 पर पहुंच गया, जो डॉलर का स्तर पार करने वाला पिछले बंद भाव से 49 पैसे की है। उन्होंने सवाल किया कि क्या

कांग्रेस ने अमेरिकी डॉलर के गिरावट के साथ 89.66 प्रति जिसके साथ उन्होंने उस समय का वीडियो भी साझा किया। उस वीडियो में मोदी ने कहा था, देखिए रुपया कितनी तेजी से गिर रहा है। कभी-कभी लगता है कि रुपया और दिल्ली की सरकार में कोई मुकाबला चल रहा है कि किसकी इज्जत ज्यादा जल्दी गिरती है। बीते शुक्रवार को घरेलू मुद्रा में तीन वर्षों में एक दिन सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई, जब यह खुला और बाद में तेजी दिखाते जारी है। यह अब 90 रुपये प्रति 98 पैसे लुढ़ककर 89.66 प्रति डॉलर पर बंद हुई। इससे पहले 24 फरवरी 2022 को रुपये में बढ़त थी। हालांकि, इससे पहले प्रधानमंत्री को जुलाई 2013 में 99 पैसे की एक दिन की सबसे शुक्रवार को रुपया 98 पैसे की दिया अपना बयान याद है, बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी।

आरोप लगने के बावजूद मुझ पर कोई कर्ज नहीं, विवादित टिप्पणी के बाद बोले अजित पवार

पवार ने अपने विवादित बयान आपके पास वोट है, मेरे पास फंड है पर प्रतिक्रिया दी है। इस मामले को लेकर अजित पवार ने कहा कि दशकों के आरोपों के बावजूद मुझ पर कोई कर्ज नहीं है।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने विवादित वोट दो, फंड मिलेगा वाले बयान पर सफाई देते हुए कहा कि उन पर भले ही 35 वर्षों से तरह-तरह के आरोप लगते रहे हों, लेकिन उनका किसी पर कोई कर्ज नहीं है और वे कानून तथा आचार संहिता का सम्मान करते हैं। सोमवार को परभणी जिले के जिंतूर में 2 दिसंबर को होने वाले नगर परिषद चुनाव के लिए आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अजित पवार ने कहा कि मीडिया उनके हर शब्द पर नजर रखता है और किसी भी मुद्दे को तुरंत उनसे जोड़ दिया जाता है। उन्होंने माना कि काम के दौरान गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उनकी नीयत हमेशा विकास की रही है। अजित पवार के बयान पर विपक्ष हमलावर- पिछले हफ्ते पुणे जिले की मालेगांव

के दौरान अजित पवार ने कहा था कि अगर जनता उनके उम्मीदवारों को चुनेगी तो फंड रखता। की कमी नहीं होगी, लेकिन वे भी नकार देंगे। इस बयान पर विपक्ष ने उन्हें घेरते हुए माफी हर शब्द की कर रहा निगरानी-याद आते हैं। मैं आचार संहिता

भी मैं किसी पर कोई कर्ज नहीं

जिंतूर नगर परिषद चुनाव के दे रहा। उन्होंने कहा, %कानून अगर उन्हें नकार दिया गया, तो मद्देनजर उन्होंने क्षेत्र के विकास सबके लिए बराबर होना का आश्वासन दिया। अजित चाहिए। हर राजनीतिक दल को पवार ने कहा, यहां के विकास एक जैसे नियमों के आधार पर की मांग की थी। मीडिया मेरे के लिए मैं हमेशा साथ खड़ा रहूंगा। जिन लोगों पर विकास उन्होंने केंद्र और राज्य की कई सोमवार को स्पष्टीकरण देते हुए कार्यों का असर पड़ेगा, उनके योजनाओं का जिऋ करते हुए उन्होंने कहा, मीडिया मेरे फंड लिए वैकल्पिक व्यवस्था की कहा कि इन योजनाओं का लाभ से जुड़े हर शब्द की निगरानी जाएगी। चुनाव आयोग से कागजों में नहीं, बल्कि जमीन कर रहा है। कोई भी बात होती निष्पक्ष कार्रवाई की भी मांग पर दिखाई देना चाहिए। उनका है तो तुरंत उन्हें अजित पवार उन्होंने चुनाव आयोग से निष्पक्ष कहना था कि उपलब्ध संसाधनों कार्रवाई की भी मांग की। अजित को सही दिशा में इस्तेमाल कर की पूरी इज्जत करता हूं। जिसने पवार ने आरोप लगाया कि कुछ क्षेत्र का विकास किया जा काम किया है उससे गलती हो गैर-सरकारी संगठन के लोग सकता है।

बहुत आरोप झेले हैं, और फिर उनके परिवार और कामकाज की जानकारी ले रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग इस पर ध्यान नहीं परखा जाना चाहिए। इस दौरान



संपादकीय Editorial

Constitutional i m i upreme **Court Decision**

The executive, legislature, and judiciary must all adhere to their constitutional limits Problems arise when this is not done. It is true that the Supreme Court has the power to interpret the Constitution, but this should not be ignored in its name. It was not correct to say in the Tamil Nadu case that if the Governor does not perform his duties on time, we cannot sit idly by, because there is no answer to the question of what can be done if the judiciary does not take timely decisions. Constitutional Limits Must Be Obeyed

The Constitution Should Not Be Ignored I is good that the Constitution Bench of the Supreme Court did not see the need to impose a time limit on Governors in the matter of assent to bills. It had to reach this conclusion because some time ago, a twomember bench of the Supreme Court considering the Tamil Nadu case, had concluded that Governors must decide on bills within a fixed time. Along with the Governors, it had also imposed a time limit on the President and had declared the pending Tamil Nadu bills assented. Since this decision by the Supreme Court exceeded its jurisdiction and ignored the constitutional framework, it raised questions, forcing the President to intervene. In response to questions posed by the Supreme Court, the **Constitution Bench found it unconstitutional** for the two-member bench to hold that bills should be considered automatically approved if they do not receive approval within the stipulated time. This decision by the Constitution Bench will undoubtedly be debated, but it should also be noted that decisions from the Supreme Court that go against the spirit of the Constitution and require the President to question them are not a good omen. Since the Constitution Bench of the Supreme Court stated that governors should either return bills to the House with comments or reserve them for the President's consideration, it is likely that complaints about pending bills may arise in the future. While the Supreme Court has advocated for limited intervention in pending bills, it cannot force governors to take decisions. This could lead to a recurrence of the problem that emerged in Tamil Nadu. This problem must be resolved. but by the legislature and the executive themselves. It would be good if there was a consensus among political parties on this issue, so that matters of the legislature and executive do not reach the judiciary, on which it has no authority to decide. The executive, legislature, and judiciary—all three—must be mindful of their constitutional limits. Problems arise when this is not done. It is true that the Supreme Court has the right to interpret the Constitution, but in its name, the Constitution should not be ignored. It was not right to say in the Tamil Nadu case that if the Governor does not do his work on time, we cannot sit idly by, because there is no answer to the question of what can be done if the judiciary does not take timely decisions

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र देनिक क्यूँ न लिखूँ सच को आवस्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड याध्य प्रदेश ,दिल्की बिह्यर पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी सज्यों से रिपोर्ट्स जिला व्यूसे विज्ञापन प्रतिनिधि की

सम्पर्क करें 9027776991

The need for cheap loans must be met; investor confidence is essential.

The availability of affordable loans will boost domestic markets and make the banking system more stable. Reducing EMIs will boost consumers' disposable income, boosting demand for homes and vehicles. The real estate sector, which has long been grappling with slow sales, will experience relief from the interest rate cut. Retail inflation has fallen to a ten-year low, with vegetable and fruit prices falling, RBI hopes for an interest rate cut. The decline in inflation has opened up new possibilities for cheap loans. According to a recent report from the National Statistical Office, retail inflation fell to a ten-year low of 0.25 percent in October, while wholesale inflation also reached a 27-month low of minus 1.21 percent. This decline was primarily due to lower prices of vegetables, fruits, eggs, footwear, grains and their products, as well as electricity, transportation, and communication services. The reduction in GST rates, implemented in September, also played a significant role, leading to a widespread decline in food prices. According to a Crisil report, in October, a vegetarian thali became cheaper by 17 percent, selling at ?27.8, and a non-vegetarian thali became cheaper by 12 percent, selling at ?54.4. It is estimated that average retail inflation may remain stable at 2.5 percent in the current fiscal year 2025-26, significantly lower than last year's 4.6 percent. This has increased the likelihood of a cut in policy interest rates at the RBI Monetary Policy Committee meeting next month to boost growth. Reports from national and international agencies are highlighting that the Indian economy is accelerating due to declining taxes and inflation, and the country's credit rating is improving. Despite this, the need to make loans cheaper remains to sustain rapid economic growth. Moody's Global Macro Outlook report states that despite US President Donald Trump's imposition of high import tariffs, India will remain the fastest-growing economy among the G-20 countries, with a growth rate of 6.5 percent in the current fiscal year, driven by low inflation and strong economic fundamentals. Moody's also commended the RBI's cautious monetary policy, which has maintained a balance between growth and inflation. The report states that by keeping the repo rate stable last month, the RBI indicated that it is proceeding cautiously in an environment of low inflation and strong growth. However, the private sector still appears unsure about large-scale investment. At this time, the need for simplified financing for industry and business has become even more pressing amid the slowdown in global growth and the US tariff hike. The National Institute of Public Finance and Policy's mid-year review report states that while GST rate cuts and reduced inflation have clearly benefited the Indian economy, financial support to industry and business is essential given global economic uncertainties. A recent World Bank report also states that financial sector reforms and easy access to credit are essential to India's ambition to become a \$30 trillion economy by 2047. The RBI has already cut the repo rate by a total of one percent in February, April, and June this year, bringing it to 5.5 percent. The cash reserve ratio (CRR) has also been reduced to three percent. However, given the current global challenges and the needs of Indian industry and trade, further interest rate reductions are the need of the hour. Financial indicators are consistently improving, and foreign institutional investors are once again increasing investment in Indian markets. Many central banks around the world are also reducing interest rates. In such an environment, cheap credit could accelerate economic activity in the country. Given India's strategic preparedness amid Trump tariffs and global trade uncertainties, easy credit could inject new energy into the industry, trade, and services sectors. Lower interest rates will not only boost investor confidence but also create a new foundation for innovation, production, and market expansion. This will also boost foreign investment. Rural and urban demand will also accelerate, strengthening the manufacturing and service sectors. The availability of affordable credit will boost domestic markets and the banking system will become more stable. Reducing EMIs will increase consumers' disposable income, boosting demand for homes and vehicles. The real estate sector, which has long been grappling with slow sales, will experience relief from the interest rate cut. It is expected that, given the sharp decline in retail and wholesale inflation and the positive impact of the GST reduction, the RBI will take a significant decision to reduce interest rates in its upcoming monetary policy review. This will boost business and trade, provide relief to consumers, strengthen market demand, and foster a new investment environment. Furthermore, the Indian economy will continue to grow at a rapid pace amid global trade uncertainty and Trump's tariff challenges.

Bangladesh worries as fundamentalist forces are gaining strength.

Mohammad Yunus is an unelected chief advisor to the interim government. He has been placed at the helm of power by a specific group and ideology. Therefore, it is likely that he will formulate his India policy based on the dictates of that group. However, it is not necessary that an elected government will adopt a similar approach towards India, as it will also face the issue of accountability to the public. It would also be inaccurate to assume that the status quo will remain in India's thinking regarding Bangladesh. Sheikh Hasina sentenced to death. Questions about the independence of the tribunal. Impact on India-Bangladesh relations. When Bangladesh's ousted Prime Minister Sheikh Hasina established the International Crimes Tribunal in 2010, she could not have imagined that the same court would sentence her to death 15 years later. Prime Minister Hasina established this tribunal to punish the perpetrators of the 1971 Liberation War and to bring those guilty of heinous crimes against humanity to justice. Recently, this same tribunal sentenced Sheikh Hasina to death. Several cases are filed against her in Bangladesh, most of which relate to the July 2024 protests. The Office of the United Nations High Commissioner for Human Rights has condemned Hasina's death sentence as unjust.

However, it also stated that the conviction of former Prime Minister Sheikh Hasina represents an important milestone for victims of serious violations committed during the suppression of last year's protests. It is noteworthy that in its fact-finding report in February this year, the Office of the High Commissioner also found former Prime Minister Hasina's involvement in the police action carried out in July-August 2024. Since former Prime Minister Sheikh Hasina is currently in India and the tribunal proceedings were conducted at the whims of the current government, such a decision in her absence raises questions about the tribunal's independence and appears politically motivated. This decision also makes it almost clear that Sheikh Hasina's return to Bangladesh is now impossible. The government of Mohammad Yunus, the chief advisor of the interim administration, has already banned Sheikh Hasina's Awami League party, and now the decision to sentence Hasina to death is likely to end any remaining hopes of her return. This has sparked a new debate about Bangladesh's future. First, how justified such a decision is, and second, what stance should India adopt on Bangladesh's demand for Hasina's extradition? There is no possibility that India will hand over Sheikh Hasina to Bangladesh. Bangladesh should not expect this, but it is also certain that it will continue to demand her return. In this context, it cannot be overlooked that Sheikh Hasina was hurriedly sent from Dhaka to Delhi by the same army whose support had established the interim government led by Muhammad Yunus. Considering the current situation in Bangladesh, it represents a different chapter in this country's history. The first chapter is the scenario created by the 1971 independence movement, its separation from Pakistan, and India's unwavering support. The second chapter arose from the July 2024 movement, which aimed to change the political course of Bangladesh. It is difficult to imagine a Bangladesh without the Awami League and Sheikh Hasina, but history bears witness that in their absence or weakness, certain forces grew stronger in Bangladesh. These days, such fundamentalist forces are gaining strength, and most of them are sympathizers of Pakistan, the same Pakistan that inflicted horrific torture on its people before the creation of Bangladesh. Now that a large segment of Bangladesh's population is determined to rewrite its history, and the interim government is supporting it, it's impossible to ignore the fact that Sheikh Hasina's portrayal of 1971 also went against her. A new generation in Bangladesh is unable to connect with the history of 1971 like the older generation, so a shift in foreign policy is natural. As the anti-India sentiment in Bangladesh is building, perhaps this is an opportunity for New Delhi to explore the possibilities of dialogue with Dhaka beyond that history and within the current context. However, this is not easy, as Bangladesh's geostrategic position and the numerous aggressive extremist groups operating there pose a significant threat to India's security. The recent Delhi bombings also appear to have links to Bangladesh. Furthermore, unlike China, India cannot dismiss Bangladesh's affairs as merely an internal issue, as infiltrators from there continue to pose a threat to India's sovereignty and integrity. Even if India were to extend a new hand to Bangladesh, it is not entirely certain that it would receive a positive response. Anti-India sentiment has become an integral part of Bangladesh's current climate, and the issue of Sheikh Hasina's extradition will continue to be raised repeatedly. Mohammad Yunus is an unelected chief advisor to the interim government. He was placed at the helm of power by a specific group and ideology. Therefore, it is likely that he will formulate his India policy based on the dictates of that group. However, it is not necessary that an elected government would adopt a similar attitude towards India, as it faces the responsibility of accountability to the public. There will also be a political aspect. It would also be inaccurate to assume that the status quo will remain in India's thinking regarding Bangladesh. Given the current political climate in Bangladesh, this could present an opportunity for the Bangladesh Nationalist Party, which has been opposed to Sheikh Hasina due to her affinity for India, to form a government with allies. However, it should be remembered that foreign policy is based on realpolitik rather than ideological stances, and such a stance will play a major role in India-Bangladesh policymaking in the days to come.

पराली- गन्ने की पत्ती जलाने पर 7 किसानों से वसूला 35 हजार का जुमाना

मुरादाबाद। जिले में पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी ऋम में कृषि विभाग ने बिलारी और ठाकुरद्वारा क्षेत्र के पांच किसानों पर पराली जलाने का दोषी पाए जाने पर 35 हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाया है। रविवार को उप कृषि निदेशक संतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 7 किसानों पर कुल 35 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया जा चुका है। पराली जलाने की रोकथाम के लिए डीएम



अनुज सिंह के निर्देश पर राजस्व, कृषि और पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें जनपद, तहसील और विकासखंड स्तर लगातार निगरानी कर रही हैं। इतना नहीं

प्रतिदिन लोकेशन ली जा रही है। उन्होंने बताया कि पराली जलाने की सूचना सैटेलाइट सिस्टम से रोजाना प्राप्त होती है, जिसमें स्थल का अक्षांश-देशांतर भी शामिल रहता है। इसके आधार पर विभागीय कर्मचारी मौके पर जाकर जांच करते हैं और रिपोर्ट तैयार करते हैं। पराली जलाने पर सरकार की ओर से जुर्माने की दरें तय की गई हैं। गन्ना किसानों का सट्टा लॉक करा दिया जाएगा। पराली जलाने पर दो एकड़ तक 5 हजार रूपये, दो से पांच एकड़ तक 10रुपये,पांच एकड़ से ऊपर 30 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा। उप कृषि निदेशक ने चेतावनी दी कि पराली जलाते पाए गए किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं के लाभ से वंचित किया जा सकता है। वहीं, गन्ने की पत्तियां जलाने वाले किसानों का गन्ना सट्टा (पर्ची) भी बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पराली जलाने से प्रदूषण बढ़ता है और पैदावार घटती है। बिलारी और ठाकुरद्वारा में कुछ किसानों ने फसल कटान के बाद खेतों में रखी पराली में आग लगा दी। शिकायत मिलने पर विभागीय टीम मौके पर पहुंची और जांच कर किसानों को दोषी पाया। फसल के साथ स्वास्थ्य के लिए भी खतरा-द्विवेदी ने बताया कि फसल अवशेष जलाने से कार्बन मोनोऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें निकलती हैं। इससे श्वास, त्वचा और आंखों के रोग बढ़ते हैं और मिट्टी के लाभदायक जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे फसल उत्पादन प्रभावित होता है। मौसम में बढ़ते प्रदूषण और धुएं की समस्या को देखते हुए प्रशासन ने पहले ही किसानों को पराली न जलाने की सख्त हिदायत दी थी। कृषि विभाग द्वारा गांव-गांव जागरुकता अभियान चलाकर पराली प्रबंधन के विकल्प भी बताए गए थे।

संभल हिंसा को एक साल : पुलिस-प्रशासन अलट...डीएम ने शहर को 16 सेक्टर में बांटकर मजिस्ट्रेट किये तैनात

संभल। संभल में बीते हुई हिंसा की घटना को आज एक वर्ष पूरा हो गया। हिंसा का एक साल पूरा होने के दिन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये हैं। असामाजिक तत्वों पर

निगरानी के साथ ही पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। विवादित धार्मिक स्थल से लेकर शहर के संवेदनशील इलाकों तक पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा इंतजाम मजबूत कर दिए हैं। जिलाधिकारी ने संभल शहर को 16 सेक्टर में बांटकर सेक्टर



मजिस्ट्रेट तैनात किये हैं। विवादित परिसर के आसपास ड्रोन से निगरानी की जा रही है। वहीं पूरे शहर के हालात पर सीसीटीवी से निगाह रखी जा रही है। 24 नवंबर 2024 को अदालत के आदेश पर जामा मस्जिद में सर्वे की कार्रवाई के दौरान सर्वे का विरोध करते हुए मुस्लिम समुदाय के हजारों लोगों की भीड़ सड़कों पर आ गई थी। इस दौरान पुलिस पर जमकर पथराव व फायरिंग की घटनाओं के साथ ही तोड़फोड़ व आगजनी भी की गई थी। इस हिंसा में गोली लगने से 4 लोगों की मौत हो गई थी। हिंसा की घटना को लेकर जहां सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क व सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल सहित तमाम लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किये गये थे वहीं पुलिस ने जामा मस्जिद के सदर जफर अली सहित सौ से ज्यादा लोगों को हिंसा में शामिल होने के आरोप में जेल भेजा था। संभल हिंसा का मास्टरमाइंड दुबई में बैठे गैंगस्टर सारिक साठा को बताया गया था। शारिक की गिरफ्तारी के लिए इंटरपोल की मदद लेने की तैयारी की जा रही है। अब हिंसा की घटना को आज एक साल पूरा हो रहा है तो पुलिस प्रशासन ने संभल शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुख्ता इंतजाम किये हैं।विवादित परिसर के आसपास कड़ी सुरक्षाहिंसा का एक साल पूरा होने के मद्देनजर संभल में शांति व्यवस्था के लिए शहर में पुख्ता पुलिस प्रबंध किये जाने के साथ ही विवादित परिसर के आसपास बेहद सख्त इंतजाम किये गये हैं। यहां ड्रोन से निगरानी की जा रही है। रविवार दोपहर करीब 1 बजे एएसपी उत्तरी कुलदीप सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ संभल कोतवाली क्षेत्र की सत्यव्रत पुलिस चौकी पहुंचे। यहां उन्होंने इंस्पेक्टर गजेंद्र सिंह और चौकी इंचार्ज आशीष तोमर के साथ सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम का गहन निरीक्षण किया। इसके बाद जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सचिव मसूद फारूकी से बात की। पुलिस ने असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। एएसपी ने बताया कि 24 नवंबर को आरआरएफ,पीएसी व नागरिक पुलिस का विशेष डेप्लॉयमेंट किया गया है। कंट्रोल रूम में लगे सभी क्रियाशील कैमरों की जांच की गई है। इंतजामिया कमेटी द्वारा लगाए गए कैमरों की फीड भी चेक की गई है।उन्होंने कहा कि ड्रोन की मदद से पूरे इलाके की निगरानी की जा रही है। सोशल मीडिया पर जिला स्तर से लेकर उच्च स्तर तक निगरानी रखी जा रही है। घटना से जुड़े करीब 24 लोगों को जमानत मिल चुकी है, पुलिस उनसे लगातार संपर्क में है और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। बाकी मामलों की प्रगति को भी मॉनिटर किया जा रहा है। इंतजामिया कमेटी के सदर जफर अली ने हिंदू और मुस्लिम समुदाय से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि 24 नवंबर को घटना का एक साल पूरा हो रहा है, और प्रशासन व कमेटी इस प्रयास में हैं कि कोई अप्रिय घटना न हो। सभी से सद्भाव और भाईचारा बनाए रखने की उम्मीद है।

मुरादाबाद में 10 डिग्री पहुंचा न्यूनतम सुबह और शाम छाने लगा कोहरा, बढ़ने लगी ठिठुरन

मुरादाबाद में सुबह और शाम को कोहरा छाने लगा है। इससे ठंड में इजाफा हो गया है। मौसम विभाग ने अगले एक हफ्ते तक कोहरा और धुंध बने रहने की चेतावनी दी है।दो दिन से सुबह और शाम को घना कोहरा छाने लगा है। इससे ठंड अचानक बढ़ गई है। विभाग ने आने वाले दिनों में व कोहरे की चेतावनी जारी की गया।सबह के समय 500 मीटर तक ही विजिबिलिटी रही। कोहरा या धुंध बनी रहेगी। तापमान 10–11 डिग्री सेल्सियस के और न्यूनतम 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।उधर, देर से धूप चलते लोगों ने सुबह के सैर का समय बदल दिया है। कई जगहों दृश्यता बेहद कम रही। कुछ फीट दूर से ही वाहन नजर नहीं आ केंद्र के प्रभारी डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि इन दिनों गेहूं की साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि ठंड और कोहरे का यह दौर बढ़वार पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा। एक्यूआई पुअर श्रेणी

प्रभावित हुई है। शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई)



रविवार को शहर के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम है।रविवार को न्यनतम तापमान 10 डिग्री के करीब पहुंच मौसम विभाग का कहना है कि अगले एक सप्ताह तक सुबह आसपास रहने का अनुमान है, जबकि अधिकतम आर्द्रता 80 निकलने और रात में ओस गिरने से सर्दी बढ़ गई है। कोहरे के पर लोग अलाव का सहारा लेते दिखे। हाईवे पर सुबह के समय रहे थे। इससे वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी रही। कृषि विज्ञान बोआई जोरों पर है। मौजदा मौसम किसानों के लिए फायदेमंद फसलों के लिए लाभकारी है। सभी प्रकार की रबी फसलों की में दर्ज- मुरादाबाद में ठंड बढ़ने के साथ वायु गुणवत्ता भी 100 से 250 के बीच दर्ज किया गया। बुद्धि विहार में एक्यूआई

140 रहा। यह मॉडरेट श्रेणी है। ईको हर्बल पार्क में एक्यूआई 258 रहने के साथ पुअर श्रेणी में दर्ज किया गया। इसके अलावा रोजगार कार्यालय क्षेत्र में एक्यूआई 183 दर्ज किया। सुबह-शाम बाहर निकलते समय सावधानी बरतें- गिरते तापमान के बीच जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. आशीष ने लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि मौसम का यह बदलाव स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है। इसलिए एहतियात बेहद जरूरी है। ठंड में सिर और कान ढककर निकलें अस्थमा व सांस के मरीज मास्क पहनकर बाहर निकलें सबह की सैर फिलहाल टालना बेहतर

हमें अब इंसाफ की उम्मीद.., गम से उबर नहीं पा रहे हैं संभल बवाल में जान गंवाने वालों के परिजन

संभल बवाल में जान गंवाने वालों के परिजन गम से उबर नहीं पा रहे हैं। परिजन को अब इंसाफ मिलने का इंतजार है। जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में पांच लोगों की जान गई थी।संभल में

जामा मस्जिद बवाल के दौरान जिन पांच लोगों की ही कार्रवाई से इन्कार कर दिया था। अभी भी वह मोहल्ला कोट निवासी नईम, सरायतरीन निवासी अयान के परिजन इंसाफ चाहते हैं। इन चार मृतकों इसकी पूरी उम्मीद है। इसके लिए प्रयास भी कर कामिल का कहना है कि हमने जो देखा और जो करा चुके हैं। हमें उम्मीद है कि एक दिन अदालत अयान सबसे छोटा था और होटल पर वेटर का बीमार रहती हैं।मेरा बेटा तो खिलौने बेचने के लिए कि मेरा बेटा तो खिलौने बेचने के लिए निकला था कहना है कि हमें अब अदालत से ही इंसाफ मिलने था% कैफ के पिता मोहम्मद हुसैन का कहना है कि उसकी मौत की खबर मिली। मायूस पिता का



जान गई, उसमें रोमान के परिवार ने तो घटना के समय इस मामले में कोई बात करना नहीं चाहते हैं। लेकिन बिलाल, तुर्तीपुर इल्हा निवासी कैफ और कोटगर्वी निवासी के परिजनों का कहना है कि अदालत से इंसाफ मिलेगा। रहे हैं। अब इंसाफ मिलने का इंतजार है।अयान के भाई हमारे भाई के साथ हुआ। इसका बयान अदालत में दर्ज से जरूर इंसाफ मिलेगा। बताया कि सात भाइयों में काम करता था। मां नफीसा बेटे की मौत के बाद से ही निकला था% कैफ के पिता मोहम्मद हुसैन का कहना है लेकिन उसकी मौत की खबर मिली। मायूस पिता का की उम्मीद हैमेरा बेटा तो खिलौने बेचने के लिए निकला मेरा बेटा तो खिलौने बेचने के लिए निकला था लेकिन कहना है कि हमें अब अदालत से ही इंसाफ मिलने की

उम्मीद है%हमें इंसाफ मिले इसके लिए अदालत पर भरोसा है% नईम की मौत के बाद से पूरा परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है। बताया कि अब हमें इंसाफ अदालत से मिलेगा। इसकी पूरी उम्मीद है। बिलाल संभल में बच्चों के कपड़े बेचता था। उसके भाई सलमान का कहना है कि भाई तो दुकान पर जाने के लिए निकला था। उसको गोली मार दी। हमें इंसाफ मिले इसके लिए अदालत पर भरोसा है।सूझबूझ दिखाकर बवाल फैलने से रोकने में एसपी को मिला है सीएम मेडल- बवाल करीब चार घंटे तक शहर में हुआ था। यह बवाल सांप्रदायिक रूप न ले इसको लेकर एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने काफी सूझबूझ दिखाई और दूसरे समुदाय के लोग जिन इलाके में रहते हैं वहां फोर्स तैनात कराया। इसके बाद हालात पर काबू पाया। इसको शासन ने भी सराहा है। एसपी को मुख्यमंत्री द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया है। एसपी ने फोर्स का नेतृत्व खुद संभाला था। जामा मस्जिद पर बवाल काबू होने के बाद हिंदूपुरा खेड़ा इलाके में तो उनपर गोली चलाई गई थी। जिसमें वो बाल-बाल बचे थे। इस सब के बाद भी एसपी ने फोर्स की हिम्मत कम नहीं होने दी। इसका असर ये रहा कि हालत पर काबू पा लिए गए और शहर में शांति कायम हो सकी।

संक्षिप्त समाचार

लालबाग, ताजपुर में ई-कचरा जलाने का खेल उजागर, 68 अवैध भट्टियां चिन्हित

मुरादाबाद। नवाबपुरा और लालबाग क्षेत्र के छड़ियों के मैदान में लंबे समय से चल रहे ई-कचरा जलाने वाले अवैध भट्टियों

लोगों की शिकायतों



को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इस पूरे नेटवर्क की जांच शुरू की, जिसमें 68 अनिधकृत भट्टियां चिन्हित की गई हैं। ताजपुर और जामा मस्जिद पुल के नीचे रात में ई कचरा जलाने के कारोबार के लिए अतिरिक्त पुलिस बल के साथ की जाएगी छापेमारी रिववार को प्रदूण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डीके गुप्ता ने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने ताजपुर, जामा मस्जिद,नवाबपुरा, लालबाग इलाके में जांच की, जिसमें कई भट्टियां बिना लाइसेंस, बिना सुरक्षा मानकों, और बिना किसी पर्यावरणीय स्वीकृति के धधकती मिलीं। ये भट्टियां चोरी-छिपे ई-कचरा, तार-तारियां, और इलेक्ट्रॉनिक सामान का प्लास्टिक व धातु गलाकर कबाड़ अलग करने का काम कर रही थीं। जांच रिपोर्ट के बाद 68 अवैध भट्टियों को चिन्हित कर लिया गया है, जिन पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी है।सोमवार से ध्वस्तीकरण अभियान शुरू होगा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अलावा नगर निगम, पुलिस विभाग और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम शामिल होगी। उन्होंने कहा कि किसी के पास विभाग की कोई अनुमति नहीं है।

डेंग् और मलेरिया का प्रकोप जारी, 103

मुरादाबाद। जिले में डेंगू और मलेरिया के मामलों में एक बार फिर बढोतरी दर्ज की गई है। रविवार को स्वास्थ्य विभाग की

रिपोर्ट में तीन नए डेंगू मरीजों की पुष्टि हुई है, जिसके बाद जिले में अब तक कुल 35 लोग डेंगू

से प्रभावित



हो चुके हैं। वहीं, मलेरिया के दो नए मामले सामने आने से इस बीमारी के मरीजों की संख्या बढ़कर 68 हो गई है। दोनों बीमारियों को मिलाकर संऋमितों की कुल संख्या अब 103 तक पहुंच गई है, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ गई है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार नए मिले डेंगू मरीज शहरी क्षेत्र से ही हैं। जबकि मलेरिया के मरीज ग्रामीण इलाकों से सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में जाकर मरीजों की सूची तैयार कर रही हैं और उनके संपर्क में आए लोगों का भी परीक्षण किया जा रहा है। लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग ने फॉगिंग और एंटी-लार्वा अभियान को तेज करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, जलभराव वाले इलाकों की सफाई और खुले में रखे पानी के कंटेनरों को खाली कराने का भी अभियान चलाया जा रहा है। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि डेंगू के सभी मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर है और उन्हें या तो घर पर निगरानी में रखा गया है या जिला अस्पताल में उपचार दिया जा रहा है। लोगों से अपील की जा रही है कि घरों और आसपास पानी जमा न होने दें। पूरी बाजू के कपड़े पहनें, मच्छरदानी का प्रयोग करें और बुखार की स्थिति में तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करवाएं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए०एच०प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा मो. 9027776991

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त

RNI NO- UPBIL/2021/83001

विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे। ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डिलारी पुलिस का सराहनीय कार्य डिलारी पुलिस ने भटके बच्चे को परिवार से मिलवाया

क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद । डिलारी थाना क्षेत्र की पुलिस ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए एक खोए हुए बच्चे को उसकी माँ से मिलाकर सराहनीय कार्य किया। घटना कल दिनांक 23.11.2025 को समय शाम करीब 8-00 बजे एक बच्चा उम्र करीब १ वर्ष जो मानसिक रूप से कमजोर है थाना डिलारी जनपद मुरादाबाद पर भटक कर आ गया था। जिसे मिशन शक्ति केंद्र थाना डिलारी पर बैठाकर नाम पता पूछा गया तो कोई भी जानकारी नहीं दे सका। जिसकी पहचान सोशल



उक्त बच्चा की पहचान अर्श पुत्र मोहम्मद इदरीश निवासी सिरसावा दोराहा थाना भोजपुर जनपद मुरादाबाद के रूप में हुई। उक्त बच्चे को उसकी मां श्रीमती मीडिया सेल एवं अन्य माध्यम शकीला पत्नी मोहम्मद इदरीश से लगनशील होकर की गई तो निवासी सिरसावा दौराहा थाना

भोजपुर जनपद मुरादाबाद एवं परिजनों को बुलाकर उनके सुपुर्द किया गया। बच्चे की मां एवं परिजनों व क्षेत्र वासियों द्वारा बच्चा मिलने पर बेहद प्रसन्नता प्रकट की गई।एवं पुलिस कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। माँ ने अपने बच्चे को सुरक्षित पाकर पुलिस का धन्यवाद किया और भावुक हो उठी। डिलारी थाना प्रभारी ने कहा कि जनता की सुरक्षा और सहायता करना हमारी प्राथमिक जम्मिदारी है। बच्चे का सकुशल मिलना हमारे लिए खुशी की बात है।स्थानीय लोगों ने भी डिलारी पुलिस की तत्परता और मानवीय पहल की प्रशंसा की है।

ओवरलोडिंग से वसूली: एसटीएफ के रडार पर जांच के बीच अचानक छुट्टी पर गए परिवहन अधिकारी, कौन-कौन है शामिल

ओवरलोडिंग से वसूली मामले में जांच के बीच अचानक छुट्टी पर गए परिवहन अधिकारी एसटीएफ के रडार पर हैं। उत्तर प्रदेश में ओवरलोडिंग वाहनों से अवैध वसूली के सिंडिकेट की जांच कर रही एसटीएफ के रडार पर परिवहन विभाग के कई अधिकारी आ गए हैं। ये अधिकारी एसटीएफ जांच शुरू होते ही अचानक चिकित्सकीय अवकाश पर चले गए हैं और उनके मोबाइल नंबर भी बंद हैं।एसटीएफ ने इस सिंडिकेट के खिलाफ मड़ियांव थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इस मामले में ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ के छुट्टी पर जाने की पुष्टि हुई में तैनात एआरटीओ (प्रवर्तन) राजीव कुमार बंसल समेत कई अन्य लोग नामजद हैं। प्रवर्तन, ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ, एसटीएफ की टीम जांच के लखनऊ) संजीव कुमार सिंह



ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ कार्यालय जाकर दस्तावेज खंगाल चुकी है।परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने इन अधिकारियों के अवकाश पर जाने के बाद कार्यभार उनके समकक्षों को सौंपने के निर्देश जारी किए हैं। जिन अधिकारियों है, उनमें शामिल हैं- राजीव कुमार बंसल (एआरटीओ, सिलसिले में कई बार (एआरटीओ, प्रवर्तन, उन्नाव)

प्रतिभा गौतम (एआरटीओ, प्रवर्तन, उन्नाव) अंबुज (एआरटीओ, रायबरेली) अंकिता शुक्ल (एआरटीओ, प्रशासन, बाराबंकी) पुष्पांजलि मित्रा गौतम (एआरटीओ, प्रशासन, फतेहपुर)जां च में बाधा, आला अधिकारी बेखबर कई प्रवर्तन अधिकारियों के मोबाइल नंबर बंद होने से जांच में दिक्कतें आ रही हैं। आला अधिकारियों को भी इन अफसरों के बारे में जानकारी नहीं है। सूत्रों का कहना है कि यह सिंडिकेट काफी गहरे तक फैला हुआ है और जांच में कई बडे अफसर भी फंस सकते हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि आला अधिकारी मामले को दबाने में जुटे हैं। इससे जांच की गति

बरेली में अवैध मार्केट जमींदोज: दुकानदारों के सपने हुए दफन, दुकान खरीदने वाले हुमायूं की बिगड़ी तबीयत

बरेली में कॉलोनाइजर मोहम्मद आरिफ ने जगतपुर रोड पर आकाशपुरम कॉलोनी के पास अवैध तरीके से दोमंजिला मार्केट बनवाई थी, जिसे बीडीए ने ध्वस्त कर दिया। मार्केट जमींदोज होने के साथ ही यहां के दुकानदारों के सपने दफन हो गए। बरेली में कॉलोनाइजर मोहम्मद आरिफ की अवैध दुकानों के मलबे में खरीदारों के डेढ़ करोड़ रुपये दफन हो गए। उनके सपने टूट गए। कल तक जो कारोबारी थे, आज एक झटके में बेरोजगार हो गए। जगतपुर रोड पर आकाशपुरम कॉलोनी के पास बनाई गई दोमंजिला मार्केट की 16 में 11 दुकानों को किराये पर उठा रखा था। बाकी पांच दुकानों को 30-32 लाख रुपये की दर से बेच दिया था। शास्त्रीनगर के हुमायूं कबीर ने भी बेटे अल्मास के लिए फरवरी में 30 लाख में एक दुकान खरीदी थी। अल्मास ने बताया कि शनिवार को मॉर्केट जमींदोज हुई तो शाम को सदमे से उनके पिता की तबीयत बिगड़ गई।दुकानदारों का कहना है कि आरिफ की कब्जेदारी का खामियाजा उनको भुगतना पड़ा है। आलमगिरीगंज के सराफ रुचिन अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने आरिफ की मॉर्केट में दो दुकानें खरीदी थी। जनवरी-फरवरी में ज्वैलर्स का काम शुरू करने का विचार था। मार्केट ढहाए जाने से उनका बहुत नुकसान

हुआ है। इसकी भरपाई मुश्किल



उनके पड़ोसी मुजीब ने भी चार नंबर की दुकान 30 लाख रुपये में खरीदी थी, लेकिन बाद में उनका मूड बदल गया तो उन्होंने शटर पर दुकान बिकाऊ है... लिखवा रखा था। मॉर्केट के भूतल पर 30 लाख रुपये में दुकान खरीदकर मेडिकल स्टोर वाले ने महीने भर पहले ही काम शुरू किया था। पूंजी डूबी, अब हो गए बेरोजगार -जगतपुर के नदीम ने मॉर्केंट में दूसरी मंजिल पर सैलून खोल रखा था। उन्होंने बताया कि आरिफ को 30,000 रुपये एडवांस पगड़ी के रूप में दिए थे और आठ हजार रुपये प्रतिमाह किराया दे रहे थे। छह महीने पहले ही दुकान खोली थी। इसकी सजावट पर दो लाख रुपये खर्च किया था। दुकान में चार अन्य लोग भी काम करते

थे, लेकिन आरिफ की गलती से सभी बेरोजगार हो गए। गौस मलिक ने बताया कि मॉर्केट गिराए जाने से उनका भी बहुत नुकसान हुआ है। जल्दबाजी में उन्होंने रेडीमेड कपड़े निकाल लिए थे, लेकिन एसी, पंखे और सजावट का सामान छूट गया। मैरिज लॉन की दो दुकानें भी क्षतिग्रस्त-आरिफ की मॉर्केट के पड़ोस में स्थित मैरिज लॉन की दो दुकानें हैं। उनमें कपड़े का कारोबार है। फहीम रविवार को दोनों दुकानों की छत पर पड़े मलबे को हटवा रहे थे। बताया कि आरिफ की मॉर्केट पर कार्रवाई के दौरान मलबा उनकी दुकानों की छत पर गिरा। इससे दुकानें भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। सामने की दीवार में मोटी दरार आ गई है। इस वजह से उन्होंने रविवार को अपना कारोबार बंद

हसनपुर में S I R की धीमी रफ्तार को देखते हुए सामाजिक कार्यकर्ता व वार्ड 03 के सभासद शराफत मलिक ने संभाला मोर्चा हेल्प डेस्क बनाकर लोगों को दी राहत

जहां पर बैठकर ग्यारह व बारे

बजे तक वार्ड 03 के वर्तमान

सभासद शराफत मलिक अपना

पुरा योगदान निऱ्शूल्क गणना

प्रपत्र भरवाने का काम कर रहे

हैं। उनके साथ शराफत हुसैन

और इरशाद मलिक भी सक्रिय

भूमिका निभा रहे हैं। लोगों का

कहना है कि हेल्प डेस्क की

वजह से उन्हें अब प्रपत्र भरने

में कोई दिक्कत नहीं आ रही।

उधर, नगर के बीएलओ का

कार्य संतोषजनक बताया जा रहा

है, जबिक अन्य बीएलओ के

रवैये से मतदाताओं में नाराजगी

है। लोगों ने मांग की है कि

चुनाव आयोग के निर्देशों के

मुताबिक सभी बीएलओ घर-

घर जाकर गणना प्रपत्र भरें, ताकि

न तो भ्रम पैदा हो और न ही

कार्य में देरी हो। यह पूरी प्रक्रिया

साफ–सुथरे चुनाव की नींव है,

इसलिए इसकी गति और

पारदर्शिता बेहद जरूरी मानी जा

रही है इस मौके पर अपने फार्म

को भरवाने के लिए मौजूद रहे

िनिजाम उर्फ निजामुद्दीन, शरीफ,

फिरोज मलिक, सलमान

मलिक,सुभान मलिक, पप्पू

अब्बासी, काफी संख्या में लोग

अपनी समस्या को लेकर मौजूद

अधिकारियों और उक्त

कांप्लेक्स के नौ व्यापारियों को

नोटिस जारी कर दो सप्ताह में

जवाब देने को कहा है। इसके

बाद 25 अक्तूबर को ध्वस्तीकरण

शुरू हुआ और दो दिन में इमारत

जमींदोज हुई।इमारत गिरने के

साथ ही 22 दुकानों के मालिक

एकाएक सडक पर आ गए।

व्यापारियों ने धरना दिया, जिसके

बाद कैंट विधायक अमित

अग्रवाल की ओर से मार्केट को

नई भवन निर्माण एवं विकास

उपविधि के तहत स्ट्रीट बाजार

विकसित करने को आवेदन

प्रिक्रिया शुरू की गई। इसमें

अलंकार साड़ीज, सरदार जी,

खालसा एक्सक्लूसिव, टॉम एंड

जैरी, अर्बन ठेका रेस्टोरेंट, डा.

संजय गुप्ता का क्लीनिक

ड्राइक्लीनर्स आदि शामिल

थे।अब महीनेभर बाद दुकानदारों

ने आसपास ही दुकानें लेकर

नए सिरे से व्यापार शुरू कर

दिया है। वहीं डॉ. संजय गुप्ता

ने प्रभात नगर स्थित जेपी

हॉस्पिटल में क्लीनिक शुरू कर

दिया है। मलबे के ढेर में बोर्ड

लगाकर नए प्रतिष्ठानों की

जानकारी बोर्ड लगाकर दी जा

रही है। वहीं पुराना स्टाफ भी



पालिका परिषद हसनपुर में चुनाव अभियान का पहला चरण को देखते हुए सामाजिक सभासद शराफत मलिक मोहल्ला

क्यूं न लिखूं सच / ताज प्रथम चरण में बीएलओ को मलिक/ अमरोहा जनपद /उत्तर घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरने प्रदेश-तहसील हसनपुर व नगर का कार्य करना था। लेकिन हसनपुर नगर पालिका परिषद आयोग द्वारा चलाए जा रहे "S में मोहल्ला होली वाला हिरन I R" स्पेशल समरी रिवीजन वाला वार्ड 03 में बीएलओ सिर्फ प्रपत्र बांटकर आगे बढ बीएलओ की सुस्ती के कारण गए और प्रपत्र भरने की धीमी गति से चल रहा है। गणना जिम्मेदारी सीधे मतदाताओं पर प्रपत्र भरवाने के लिए लोग छोड़ दी। समस्या यह है कि दिनभर भटकते दिखाई दे रहे लोगों के पास 2003 की हैं। मतदाताओं की इसी परेशानी मतदाता सूची उपलब्ध नहीं है, जो प्रपत्र भरने में अनिवार्य है। कार्यकर्ता एवं वार्ड 03 के जिनके पास सूची है भी, वे तकनीकी जानकारी के अभाव होली वाला हिरन वाला हसनपुर में प्रपत्र सही तरीके से भर नहीं ने आगे आकर अपने ही आवास पा रहे हैं। इसी अव्यवस्था के पर "S I R" हेल्प डेस्क का बीच सामाजिक कार्यकर्ता एवं गठन किया है, जिससे लोगों वार्ड 03 के सभासद शराफत को बड़ी राहत मिली है। चुनाव मिलक ने अपने ही आवास पर आयोग के आदेशानुसार इस अपना काम धाम बंद कर "S समय "S I R" प्रक्रिया के IR" हेल्प डेस्क शुरू कर दी, रहे

सेंट्रल मार्केट ध्वस्तीकरण: पटरी पर लौटने लगी जिंदगी मलबे में दुकानों के बोर्ड लगे, आसपास शिफ्ट हुए दुकानदार



शास्त्रीनगर सेंट्रल मार्केट के भूखंड संख्या 661/6 के ध्वस्तीकरण को करीब एक महीना बीत चुका है। अब इलाके आवासीय उपयोग के लिए में फिर से जिंदगी पटरी पर आवंटित हुआ था, जहां लौटने लगी है। जहां कुछ सप्ताह व्यावसायिक कांप्लेक्स के रूप फोट ऊचा मलबा था, वहीं अब ध्वस्त गया।आवास विकास परिषद ने दुकानों के बोर्ड लगाकर नए प्रतिष्ठानों की जानकारी दी जा रही है। मेरठ के शास्त्रीनगर सेंट्रल मार्केट के 661/6 के ध्वस्तीकरण बाद आखिरकार काम्प्लेक्स के करीब महीने भर बाद जिंदगी अब पटरी पर आने लगी है। करीब तीस फुट ऊंचे मलबे के के आदेश के बाद भी किसी ढेर पर अब ध्वस्त दुकानों के व्यापारी ने दुकान से सामान नहीं बोर्ड लगने लगे हैं। यह दुकानें हटाया। याचिकाकर्ता लोकेश सभी आसपास ही शिफ्ट हो खुराना ने अवमानना का वाद गई हैं। सेंट्रल मार्केट ध्वस्तीकरण सुप्रीम कोर्ट में दाखिल में 661/6 में कौन कौन सी किया।छह अक्टूबर को दुकानें थीं। सुप्रीम कोर्ट ने 17 अवमानना याचिका पर सुनवाई दिसंबर 2024 को सेंट्रल मार्केट करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गृह के इस आवासीय भूखंड पर बने सिचव, आवास आयुक्त, डीएम, व्यावसायिक कांप्लेक्स को तीन एसएसपी, आवास विकास के फिर से रख लिया गया है।

माह में खाली कराकर दो सप्ताह में ध्वस्त कराने का आदेश दिया था। यह भूखंड 1986 में में अवैध निर्माण बढ्ता 1990 में नोटिस देकर इसे गिराने को कहा था, लेकिन लंबी कानूनी प्रक्रिया से गुजरने के बचाने की व्यापारियों की दलील हार गईं। सुप्रीम कोर्ट

भदोही में दर्दनाक हादसा...जहरीली गैस से तीन लोगों की मौत, कालीन कंपनी में मोटर ठीक कर रहे थे मैकेनिक; दहशत

उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। कालीन कंपनी में तीन मैकेनिक मोटर ठीक कर रहे थे, तभी जहरीली गैस लीक हो गई। इस हादसे को लेकर कर्मचारियों में आऋोश भी व्याप्त हो गया है। जिले की एक कालीन कंपनी में शनिवार को उस समय हड्कंप मच गया, जब डाइंग हाउस के केबिन में उतरकर मोटर ठीक करने गए तीन मैकेनिकों की जहरीली गैस के कारण मौत हो गई। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल है।दयालापुर निवासी शितला मिश्र (55), सहसेपुर



मध्यप्रदेश के राजिकशोर तिवारी (52), औराई स्थित एक कालीन कंपनी में इलेक्ट्रिशयन व मोटर मैकेनिक थे। डाइंग हाउस में बिगड़ी मोटर को ठीक करने के लिए केबिन में उतरे थे। बताया जा रहा है कि केबिन में कुछ समय पहले वॉशिंग और ई.टी.पी. प्लांट से जुड़ी प्रक्रिया के शिवम् दुबे (32) और के दौरान जहरीली गैस भर गई

थी।परिजनों में मचा कोहरामजैसे ही तीनों मजदूर नीचे उतरे, जहरीली गैस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। बाहर मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना की जांच जारी है और गैस लीकेज के कारणों का पता लगाया जा रहा है। हादसे के बाद फैक्ट्री कर्मियों में आऋोश व दहशत फैल गई है। परिवारों में कोहराम मच गया है। मौके पर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आवारा कुत्तों और बंदरों के आतंक से परेशान हुए अंबेडकर चौक व ब्लॉक के आस पास के निवासी

क्यूँ न लिखूँ सच / ताज मलिक/ जिला अमरोहा /उत्तर प्रदेश तहसील हसनपुर अंबेडकर चौक से लेकर ब्लॉक के तिराह तक

कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। जिला अमरोहा के तहसील हसनपुर व ब्लॉक से अंबेडकर चौक तक व पंसारा बाजार में कुत्तों और बंदरों का आतंक बहुत



ज्यादा हो गया है। रोड और बाजार में आवारा घूम रहे कुत्ते स्कूल आने जाने वाले बच्चों, दो पहिया वाहनों और पैदल बाजार आने जाने वाले लोगों पर हमला कर रहे हैं तो वहीं पर अंबेडकर चौक वे ब्लॉक के आसपास के स्थित दुकानदारों जैसे फल विऋेताओं, सब्जी बेच रहे हैं दुकानदारों एवं जलपान की दुकानों पर बंदरों का आतंक बहुत ज्यादा हो गया है। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने बंदरों और आवारा कुत्तों से प्रशासन से निजात दिलाने की मांग की है।

यूपी में दूल्हे की मौत: हाईवे पर सुबोध की ऐसे आई मौत; चढ़त से पहले अचानक हुई थी तबीयत खराब

यूपी के बागपत जिले में चढ़त से पहले ट्रक की टक्कर से दूल्हे की मौत हो गई। चढ़त से पहले दूल्हे को उल्टी होने लगी थी।

नेशनल हाईवे किनारे दूल्हा करने



दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां चढ़त से पहले दूल्हे की मौत हो गई। शादी की खुशियां मातम में बदल गई। पुलिस ने दूल्हे के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, सरूरपुरकलां गांव में रविवार रात को चढ़त से पहले दूल्हे सुबोध (25) निवासी बिनौली को ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। वह तबीयत खराब होने पर दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे किनारे खड़े होकर उल्टी कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। उसे टक्कर मारने के बाद चालक ट्रक को लेकर भाग गया। बिनौली गांव के फिजियोथैरेपिस्ट सुबोध की बरात रिववार को सरूरपुरकलां गांव में आई थी। बरात के स्वागत व नाश्ते के बाद चढ़त की तैयारी होने लगी। चढ़त शुरू होने से पहले दूल्हे सुबोध की तबीयत खराब हो गई और वह सड़क किनारे खड़ा होकर उल्टी करने लगा। तभी दिल्ली की तरफ से आए ट्रक ने सुबोध को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सुबोध सड़क पर गिर गया। तभी बराती उसे जिला अस्पताल लेकर जाने लगे मगर उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना पर पुलिस वहां आई और घटना की जानकारी ली गई। जांच अधिकारी दीक्षित त्यागी के अनुसार ट्रक का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जाएगी, जिससे उसको पकड़ा जा सके। शादी की खुशियां चंद मिनटों में गम में बदलीं-सुबोध की चढ़त की तैयारी चल रही थी और बराती खुशी मना रहे थे, दुल्हन के घर भी खुशियां मनाई जा रहीं थीं। हादसे का पता चलते ही दोनों घरों में मातम छा गया। अस्पताल पहुंचे कई बरातियों ने बताया कि हादसे में सुबोध की मौत का काफी बरातियों को पता ही नहीं था और सभी ख़ुशियां मनाने में लगे थे। जिनको मौत के बारे में बताया भी गया तो उनको शुरूआत में विश्वास नहीं हुआ। इसकी कई जगह जानकारी करने के बाद लोग अस्पताल में पहुंचने लगे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

शिक्षक व स्कूल पर दंडात्मक कार्यवाही कर न्यायहित में उचित एवं आवश्यक कदम उठाने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर जिले के रामानुजनगर विकासखंड अंतर्गत ग्राम नारायणपुर में संचालित प्राइवेट स्कूल हंसवाहिनी विद्या मंदिर जिसका पंजीयन ऋमांक 2947 है, में शिक्षक के द्वारा रुघत कक्षा में अध्ययनरत एक छोटे लगभग 4-5 वर्ष के नाबालिक छात्र को सजा देने के नाम पर बर्बरतापूर्वक पिटाई व बरताव करते हुए पेड़ से टांगने का मामला वायरल वीडियो के माध्यम से सामने आया है जिसको लेकर आज छत्तीसगढ़ एन.एस.यू.आई. प्रदेश महासचिव कौनेन अंसारी एवं कांग्रेसजनों व हस्ट्रु कार्यकर्ताओं ने सूरजपुर जिला शिक्षा अधिकारी को उक्त मामले को शिक्षक व स्कूल पर दंडात्मक कार्यवाही कर न्यायहित में उचित



प्रशासन की होगी। मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा है। बर्बरता बहुत ही गलत और फरहान उपस्थित रहे।

उचित कार्यवाही नहीं किए जाने असहनीय है इसका हम पुरजोर पर एन.एस.यू.आई. के द्वारा उग्र विरोध करते हैं और कड़ी धरना प्रदर्शन किया जाएगा कार्यवाही की मांग करते हैं। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से रामानुजनगर ब्लॉक कांग्रेस श्री अंसारी ने बताया कि इस अध्यक्ष प्रदीप साहू, पीसीसी तरह की घटना वो भी रूयत के प्रदेश महासचिव (अ. वि.) छात्र के साथ होना बहुत ही सैय्यद आमिल, युवा कांग्रेस कष्टदायक है, जहां नन्हे बच्चों जिला महासचिव अदनान संज्ञान में लाते हुए संबंधित को प्यार व स्नेह से पढ़ाया व सिद्दीकी, हुस्डू के छात्रनेता समझाया जाता है वहीं शिक्षक अखलाक वारसी, राजू पाटले, द्वारा इस तरह ऋरता को अंजाम विनोद सिंह, उत्कृष्ट गुप्ता, वसीम एवं आवश्यक कदम उठाने की दिया गया है। इस प्रकार की अली, असद अहमद, समीर,

यातायात माह में जीवन ज्योति चंद्र कमल एकेडमी, उरई में नुक्कड़ नाटक व सांस्कृतिक समारोह के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया



क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ जिम्मेदारियों को सरल एवं जीवन ज्योति चंद्र कमल प्रभावी तरीके से दर्शाया गया। एकेडमी में आज यातायात माह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के नवंबर में सड़क सुरक्षा विषय रूप में श्रीमती अर्चना सिंह पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम सीओ यातायात जालौन तथा श्री आयोजित किया गया। कार्यक्रम वीर बहादुर सिंह प्रभारी के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा यातायात जालौन उपस्थित रहे। प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक और अतिथियों ने बच्चों को सड़क सांस्कृतिक समारोह कार्यक्रम सुरक्षा के महत्व के बारे में विस्तार प्रस्तुत किए गए, जिनमें सड़क से जानकारी दी और बताया कि सुरक्षा से जुड़े नियमों, यातायात नियमों का पालन न सावधानियों और नागरिक केवल अपनी बल्कि दूसरों की

सुरक्षा के लिए भी आवश्यक

मुख्य अतिथियों ने सभी विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन करने हेतु शपथ दिलवाई। बच्चों ने उत्साहपूर्वक सड़क सुरक्षा से संबंधित संकल्प दोहराया और कार्यक्रम में तथा विद्यालय में हो रही प्रतियोगिता में सिक्रिय भागीदारी दिखाई जिसके पश्चात विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लिए बच्चों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज में सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाना है ताकि भविष्य में दुर्घटनाओं की संख्या कम हो और सभी नागरिक सुरक्षित यातायात का पालन कर सकें। कार्यक्रम के सह्यफल आयोजन के लिए विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त

संक्षिप्त समाचार

मानक विहीन सड़क निर्माण की शिकायत पर जिलाधिकारी की सख्ती, दोषी अधिकारियों व ठेकेदार पर कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ हरदोई से कुंवरपुरा मार्ग पर प्रांतीय खंड द्वारा कराए जा रहे नवीनीकरण कार्य में मानक विहीन निर्माण की शिकायत पर जिलाधिकारी ने गंभीरता से संज्ञान लिया। शिकायत प्राप्त होने पर जिलाधिकारी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में दो सदस्यीय कमेटी गठित कर विस्तृत जांचके निर्देश दिए गए । जिलाधिकारी ने शिकायत की प्रथम दृष्ट्या जाँच में पाया गया कि उक्त मार्ग का नवीनीकरण का कार्य स्वीकृत था किन्तु सड़क निर्माण में नवीनीकरण के मानक का प्रयोग नहीं किया गया मीटर सड़क के निर्माण में डस्ट का प्रयोग किया गया सड़क की सफाई किए बिना ही का बिटूमीन का उपयोग किया गया था, जो कि मानकों के विपरीत है। निर्माण कार्य में उक्त लापरवाही /अनियमितताएं पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित एई व जेई जिसे सड़क निर्माण के समय मौके पर रहकर अपने पर्यवेक्षण में निर्माण कराना चाहिए किंतु संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रथमदृष्टया लापरवाही के चलते विभागीय कार्यवाही करने के निर्देश दिए।साथ ही, ठेकेदार के विरुद्ध अनियमितता के कारण कठोर कार्रवाई करते हुए सड़क को दोबारा मानक अनुसार निर्माण कराने के निर्देश अधिशासी अभियंता एवं उपजिलाधिकारी को दिए गए

पंचायत चुनाव: वोटर लिस्ट के अंतिम प्रकाशन पर टिकी निगाह, इस दिन होगी जारी,

मेरठ के ग्रामीण इलाकों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की तैयारियां तेज़ हैं और सभी की निगाहें 23 दिसंबर को जारी होने वाली अंतिम वोटर लिस्ट पर टिकी हुई हैं। वोटर लिस्ट पुनरीक्षण अभियान की समय–सारिणी में बदलाव के बाद अब दावे और आपत्तियों के निस्तारण के साथ संशोधन प्रक्रिया जारी है।मेरठ के गांवों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की तैयारियां तेजी से चल रही है। प्रशासनिक स्तर पर भी वोटर लिस्ट को अपडेट करने का काम चल रहा है। इस वोटर लिस्ट के अंतिम प्रकाशन पर ग्रामीणों व नेताओं की निगाह लगी हुई। पहले पांच दिसंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होनी थी लेकिन अब इसका प्रकाशन 23 दिसंबर को होगा।पंचायत चुनावों से पहले वोटर लिस्ट को अपडेट करने के लिए 30 दिसंबर तक अभियान चलाया गया था। इसमें प्राप्त दावे और आपत्तियों के निस्तारण का कार्य चल रहा है। पांच दिसंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होना था, लेकिन चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट के वृहद पुनरीक्षण अभियान की समय सारिणी में बदलाव कर दिया है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन अब 23 दिसंबर को किया जाएगा। 30 दिसंबर तक इसका निरीक्षण किया जाएगा। इसी दौरान लोगों से दावे व आपत्तियां भी स्वीकार की जाएगी।एक जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं के भी वोट बनाए जाएंगे। 31 दिसंबर 2025 से छह जनवरी 026 तक प्राप्त दावों व आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। सात किया जाएगा। एक बार फिर से मिलेगा वोट बनवाने का समर्थकों की नई वोट बनवाने व गलतियों को ठीक कराने का दस्तक दे रहे हैं। वे उनसे गणना प्रपत्र भरवा रहे हैं। इसके मतदाताओं की ओर से शिकायतें की जा रही हैं।

जनवरी से हस्तलिखित पांडुलिपि तैयार करके सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के यहां जमा किया जाएगा। 12 जनवरी तक यह कार्य होगा। छह फरवरी को वोटर लिस्ट को प्रकाशित मौका-पुनरीक्षण अभियान के दौरान नई वोट बनवाने से चूकने वाले या त्रुटियों को ठीक नहीं कराने वाले लोगों को फिर से मौका मिलेगा। 24 से 30 दिसंबर तक नेताओं को भी अपने अवसर रहेगा। इसके लिए लोगों की निगाह 23 दिसंबर को होने वाली वोटर लिस्ट के अंतिम प्रकाशन पर लगी है। इसके लिए वे बीएलओ से भी संपर्क कर रहे हैं। गांवों में एसआईआर को लेकर बेचैनी-अभी ग्रामीणों ने पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट पर ही अपनी आपत्ति दर्ज कराई हैं। इसके बाद से ही अब एसआईआर को लेकर बीएलओ मतदाताओं के दरवाजों पर आधार पर ही विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मतदाता सूची में नाम तय होंगे। एक के बाद एक अभियान चलने से ग्रामीणों में बेचैनी हैं। इसमें मांगे गए ब्योरों को लेकर भी

राज्यपाल ने झंडारोहण कर 19वें जंबूरी कार्यक्रम का किया शुभारंभ, जय जंबूरी के लगे नारे गांवों में SIR को लेकर बैचेनी

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने लखनऊ के डिफेंस एक्सपो में आयोजित कार्यक्रम में झंडारोहण कर 19वें जंबूरी का शुभारंभ किया। इस मौके पर जय जंबूरी के नारों से उनका स्वागत किया गया राज्यपाल

आनंदी बेन पटेल ने सोमवार को लखनऊ के वृंदावन स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड मौके पर उन्होंने मैदान में उपस्थित युवाओं का अभिवादन किया। सभी ने जय विदेश से आए स्काउट्स और गाइड्स आपसी भाईचारे, स्थानीय संस्कृति, सभ्यता को होने वाले सांस्कृतिक व अन्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्यायुक्त डॉ. केके खंडेलवाल ने कहा कि यह अत्यंत गर्व और भावना का समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार कि उन्होंने हर बेहतर व्यवस्था के लिए होगा। शांति और एकता की कहानी ड्रोन शो से लिखी जाएगी। इसके पहले



में झंडारोहण कर 19वें जंबूरी कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस जंबूरी के नारों के साथ उनका स्वागत किया।जंबूरी में देश-और अनुशासन के विविध आयामों से रूबरू होंगे। 25 नवंबर शामिल होंगे।19वें राष्ट्रीय जंबूरी के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय है। सेवा, अनुशासन और नवाचार का मॉडल बनकर खड़े हैं। सहयोग व निर्देश दिया है। यह आयोजन कई मायने में विशिष्ट स्काउट गाइड के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल कुमार जैन और राज्य

अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने राज्यपाल का स्वागत किया। महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य लालजी निर्मल और रामचंद्र, प्रादेशिक मुख्य आयुक्त प्रभात कुमार आदि उपस्थित थे। अनिल कुमार जैन ने कहा कि यह आयोजन युवा शक्ति, वैश्विक एकता और वैश्विक शांति का संदेश दे रहा है। हम इस देश को विकसित देश बनायेंगे। जंबूरी सिर्फ शिविर नहीं बल्कि एक अनुभव है। हम एकता का संदेश देते हैं। चिरत्र निर्माण करते हैं। इंसानियत का संदेश देते हैं। आज विश्व में युद्ध और तनाव है। हम प्रेम, सद्भाव और सेवा का संदेश दे रहे हैं। हम मानते हैं कि युवाओं को अवसर दो, वो चमत्कार करेंगे। सेवा करेंगे, विकसित युवा, विकसित राष्ट्र बनायेंगे। स्वावलंबी और आत्मिनर्भर बनेंगे। राष्ट्रीय जंबूरी के प्रमुख कार्यक्रम- 24 नवंबर- राज्यपाल द्वारा जंबूरी का उद्घाटन, शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम और ड्रोन शो। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रहेंगे उपस्थित। 25 नवंबर इंटीग्रेशन मार्च, फ्लैग मार्च, एडवेंचर गेम्स, विलेज का उद्घाटन, यूपी नाइट और ड्रोन शो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी और बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह होंगे शामिल। 26 नवंबर- पीजेंट शो - माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी होंगी उपस्थित।27 नवंबर- इंटरनेशनल नाइट एवं एथिनक फैशन शो। मंत्री सुरेश खन्ना और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान करेंगे सहभागिता।28 नवंबर- समापन समारोह में राष्ट्रपति शामिल होंगी।

अल फलाह से निकलते ही कई बम कांड से चर्चा में आया मिर्जा, 2007 से ही है वांटेड शादाब

सूत्रों ने बताया कि मिर्जा शादाब में उसकी कुछ संपत्तियां सीज बेग वर्ष 2003 में अल फलाह यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने गया था। 2007 में रडार पर हरियाणा की अल डिग्री पूरी होने के पहले ही उसने दो निजी कंपनियों में नौकरी की। इसी बीच गोरखपुर के गोलघर में तीन जगहों पर बम धमाके हुए और इसमें छह लोग घायल हो गए। जहां धमाका हुआ, वहां क्षतिग्रस्त साइकिल और उसकी खरीद की पर्ची मिली। अल फलाह यूनिवर्सिटी के आतंकी कनेक्शन की बात कोई नई नहीं है। दिल्ली में आतंकी हमले के मामले में जिस मिर्जा शादाब बेग की एजेंसियां तलाश कर रही हैं, उसका नाम इसी यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करके निकलते ही एक के बाद एक कई बम धमाकों में सामने आया था। वर्ष 2007 में गोरखपुर के गोलघर बम ब्लास्ट से उसका नाम जुड़ा था। गोरखपुर के अलावा वाराणसी, फैजाबाद और लखनऊ कचहरी कांड में भी उसका नाम था। गोलघर ब्लास्ट में मिर्जा के नाम को लेकर लंबी जांच तो हुई, मगर साक्ष्यों के अभाव में एजेंसियां उसे केस से जोड़ न

सकीं। हालांकि तब आजमगढ़

की गई थीं दिल्ली आतंकी हमले के मामले में जांच एजेंसियों के फलाह यूनिवर्सिटी है। यहीं से मिर्जा ने वर्ष 2007 में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रूमेंटेशन में बीटेक की डिग्री ली थी। कुछ महीने बाद ही गोलघर में हुए ब्लास्ट में उसका नाम सामने आया। एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि मिर्जा दुबई की एक कंपनी में नौकरी की बात कहकर 19 सितंबर 2008 को घर से निकला था। पांच अक्तूबर को उसकी दुबई जाने की फ्लाइट थी और इसी के बाद से वह लापता है। बेग को 2019 में अफगानिस्तान में देखा गया था। भारत सरकार की तरफ से उसपर एक लाख रुपये का इनाम भी घोषित है। एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि जिस वक्त मिर्जा शादाब बेग अल फलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहा था, उस समय फाउंडर वाइस चांसलर जवाद अहमद सिद्दीकी ही था। एजेंसियां दिल्ली बम धमाके में जवाद अहमद सिद्दीकी की भूमिका की जांच कर रही हैं। केंद्रीय एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, आजमगढ़

ENGINEERING & TECHNOL Mirza sinda

के तत्कालीन मौलवी ने की थी।

तत्कालीन जिला शासकीय

अधिवक्ता यशपाल सिंह बताते

हैं-जांच में शामिल एसआई ने

दौरान विवेचना लिखा-पढ़ी में

बताया कि मामले में आजमगढ़

निवासी मिर्जा शादाब बेग अपने परिवार में सात भाई-बहनों में सबसे बड़ा है। दो भाई जुड़वा हैं। मिर्जा शारिफ और आतिफ। इन दोनों की आजमगढ़ में ही दुकान है। अन्य भाई हैं मिर्जा शाहबाज बेग और मिर्जा आदिल बेग। सूत्रों ने बताया कि मिर्जा शादाब बेग वर्ष 2003 में अल फलाह यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने गया था। 2007 में डिग्री पूरी होने के पहले ही उसने दो निजी कंपनियों में नौकरी की। इसी बीच गोरखपुर के गोलघर में तीन जगहों पर बम धमाके हुए और इसमें छह लोग घायल हो मौलवी का बयान दर्ज किया गए। जहां धमाका हुआ, वहां था। हालांकि कोर्ट में गवाही के क्षतिग्रस्त साइकिल और उसकी पहले ही मौलवी का इंतकाल खरीद की पर्ची मिली। हो गया था। एजेंसी के सूत्रों ने मोहद्दीपुर निवासी राजेश राठौर ने इस मामले में कैंट थाने में के मिर्जा शादाब बेग का नाम प्राथमिकी दर्ज कराई थी। भी सामने आया। तब साइकिल

आतंकियों के फोटो की तस्दीक करने पर आजमगढ निवासी आतिफ मुख्तार उर्फ राजू, सैफ और तारिक कासमी को कैंट थाने में अज्ञात में दर्ज केस में नामजद आरोपी बनाया गया था। मिर्जा शादाब वेग को ठोस पुलिस ने जांच शुरू की तो पता साक्ष्य नहीं होने की वजह से चला कि आतंकियों ने समीर नामजद नहीं किया जा सका। के नाम से साइकिलों को खरीदा आईएम से कनेक्शन मिलने पर था। पुलिस रेती चौक स्थित सीज की गई यी संपत्ति- मिर्जा साइकिल विऋेता के पास पहुंची दिलशाद बेग आजमगढ़ जिले तो फिर मामला परत दर परत के देवगांव के बारीदीह गांव के खुलता चला गया। जांच में पता राजा का किला मोहल्ले का रहने चला कि शहर की ही एक मस्जिद में आतंकी अपनी पहचान छिपा कर रुके थे। इस बात की तस्दीक उस मस्जिद

प्रत्यक्षदर्शी की ओर से

मानें तो 2007 के पहले ही वह इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के संपर्क में आ गया था। इसी दौरान उसने अल फलाह विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रमेंटेशन में डिग्री हासिल की। एजेंसी का मानना है कि पढ़ाई के दौरान ही विस्फोटक-तैयारी एवं लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में उसे तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में देखा जाने लगा। गोरखपुर धमाके में अपरोक्ष तौर पर भूमिका और आईएम से नाम

जुड़ने के बाद आजमगढ़ में उसकी

के दुकानदार, मौलवी और संपत्ति भी सीज की गई थी। गोरखपुर ब्लास्ट में आरोपियों को मिली थी सजा-गोरखपुर बम ब्लास्ट में कुल 33 गवाह थे। इनमें सबसे महत्वपूर्ण गवाह मस्जिद के मौलवी थे, जिन्होंने अपना बयान पुलिस की जांच में दर्ज कराया। फोटो से आतंकियों की पहचान की थी। हालांकि कोर्ट की गवाही के पहले ही उनका निधन हो गया ऐसे में उनकी गवाही को कोर्ट

में %अबेट% कर दिया गया। इसी दौरान साल 2007 में नवंबर माह में वाराणसी, फैजाबाद और लखनऊ कचहरी केंद्रीय एजेंसी के सूत्रों की में एक साथ बम धमाके हुए। गोरखपुर में हुए धमाके भी वहां जैसे ही थे, इसलिए मिर्जा का नाम इस मामले में भी जुड़ा। मामले में तारिक आजमी की गिरफ्तारी और ट्रायल के बाद फैजाबाद कोर्ट से उसे 2019 में सजा मिली। तत्कालीन जिला शासकीय अधिवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि कोर्ट में उनकी अर्जी पर फैजाबाद से दी गई सजा की प्रति मंगवाई गई। गवाहों और अन्य प्रभावी दलीलों के आधार पर तारिक को सजा मिली

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए 9027776991

knlslive@gmail.com



सौरभ हत्याकांड की आरोपी मुस्कान अस्पताल में भर्ती, आज हो सकती है डिलीवरी, बच्चे के पिता को लेकर संशय

मेरठ के चर्चित सौरभ हत्याकांड में आरोपी मुस्कान की तबीयत बिगड़ने पर उसे मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, उसे प्रसव पीड़ा हो रही है और डिलीवरी किसी भी समय

हो सकती है। वहीं पुलिस मामले की बढ़ाई गई है।मेरठ के चर्चित सौरभ पीडा महसूस होने पर मेडिकल अस्पताल स्थिति सामान्य है, लेकिन किसी भी लगातार मॉनिटर कर रहा है।पुलिस है, इसलिए पुलिस ने अस्पताल परिसर नजर बनाए हुए हैं और मुस्कान की शाम तक डिलीवरी होने की संभावना कैब चालक अजब सिंह की कोर्ट में के माध्यम से आरोपियों मुस्कान और गवाहों को कोर्ट में पेश कर केस को ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर मिलकर सौरभ के शव के टुकड़े कर था। इसके बाद साहिल सौरभ का सिर चले गए और 17 मार्च को लौटे थे।



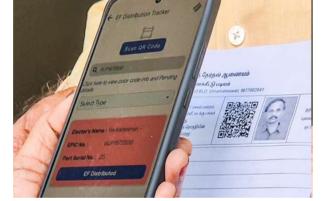
निगरानी में लगी हुई है और अस्पताल में सुरक्षा भी हत्याकांड की आरोपी मुस्कान को सोमवार सुबह प्रसव में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने बताया कि उसकी समय डिलीवरी हो सकती है। अस्पताल प्रशासन उसे सतर्क, अस्पताल में बढ़ाई निगरानी- मामला संवेदनशील में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। अधिकारी स्थिति पर मेडिकल रिपोर्ट भी समय-समय पर ली जा रही है। जताई गई है।चर्चित सौरभ हत्याकांड में 21 नवंबर को जिरह हुई थी। इससे पहले उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग साहिल की पहचान की थी। पुलिस लगातार अहम मजबूत कर रही है।घटना तीन मार्च की है, जब मुस्कान पित सौरभ की हत्या कर दी थी। आरोप है कि दोनों ने उन्हें नीले ड्रम में डालकर सीमेंट का घोल डाल दिया अपने घर ले गया था। हत्या के बाद दोनों शिमला घूमने 18 मार्च को मुस्कान ने अपनी मां को मामले की

जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई और दोनों को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी इस समय जेल में बंद हैं और उनकी जमानत याचिकाएं पहले ही खारिज हो चुकी हैं। आज पहचान परेड के बाद आज होने वाली जिरह को केस की दिशा में अहम माना जा रहा है। पुलिस उम्मीद कर रही है कि कैब चालक के विस्तृत बयान अदालत में मजबूत साक्ष्य बनेंगे इस केस में जिला जज संजीव पांडे के न्यायालय में ट्रायल जारी है। कुल 36 गवाहों में से कई अहम गवाहों-मृतक के भाई बबलू, रिपोर्ट दर्ज कराने वाले हेडमोहर्रिर बृजेश कुमार, सौरभ की मां रेणू, उसके दोस्त, चाकू-छुरी विऋेता, नीला ड्रम बेचने वाला दुकानदार, ड्रम काटने वाला मजदूर, पोस्टमार्टम टीम सहित कई लोगों के बयान दर्ज हो चुके हैं। अब कैब चालक की गवाही भी रिकॉर्ड हो गई है।लंदन के एक मॉल में काम करने वाला सौरभ राजपूत पूर्व में नेवी मर्चेंट में कार्यरत था। वह 24 फरवरी 2025 को मेरठ आया था। उसने 25 फरवरी को बेटी पीहू और 27 फरवरी को पत्नी मुस्कान का जन्मदिन मनाया था। तीन मार्च की रात उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी ने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी थी। बाद में दोनों ने शव के टुकड़े कर उन्हें प्लास्टिक के नीले ड्रम में सीमेंट से भरकर छिपाया था।

मुझसे नहीं होगा ये काम..., नोएडा की महिला शिक्षक ने बीएलओ पद से दिया इस्तीफा

यूपी के नोएडा में बीएलओ ड्यूटी से परेशान शिक्षिका ने इस्तीफा दे दिया है। निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर पूछा है कि निर्वाचन सामग्री किस अधिकारी को सौंपें। शिक्षिका काफी समय से अस्वस्थ चल रही हैं।नोएडा में निर्वाचन कार्य के दबाव और स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहीं गेझा के उच्च प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका पिंकी सिंह ने बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) ड्यूटी से

परेशान होकर इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने निर्वाचन अधिकारी को को सौंपें। यह खबर सोशल मीडिया पर भी चल रही है। वहीं अपने पत्र में लिखा है कि उन्हें बीएलओ का पार्ट 206 आवंटित कुल 1179 मतदाता हैं। इनमें से 215 मतदाताओं का डाटा वह तो शिक्षण कार्य हो पाएगा और न ही बीएलओ का कार्य। दिशा-निर्देश देने का अनुरोध किया है। इस मामले में जब स्कूल उन्हें पिंकी सिंह के इस्तीफे की सीधी जानकारी नहीं मिली है, वर्षीय शिक्षिका थायरॉइड से पीड़ित हैं और इसी कारण विभाग उनकी ड्यूटी नहीं हटाई गई। प्रधानाचार्या का कहना है कि हो उठाया होगा। वह 15 से 20 वर्षों से बीएलओ की ड्यूटी कर उधर, विभागीय सूत्रों के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है



पत्र लिखकर पूछा है कि वह अपनी निर्वाचन सामग्री किस अधिकारी शिक्षा विभाग में भी इसकी चर्चा तेज है।शिक्षिका पिंकी सिंह ने किया गया है। मतदान स्थल रॉक वुड स्कूल है और उनके भाग में ऑनलाइन फीड कर चुकी हैं। पत्र में उन्होंने साफ कहा है अब न निर्वाचन सामग्री किसे हैंडओवर करनी है, इस पर उन्होंने स्पष्ट की प्रधानाचार्या नीलम सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि लेकिन वह काफी समय से अस्वस्थ चल रही हैं। करीब 56 को बीएलओ की ड्यूटी हटाने के लिए पत्र भी लिखा था, लेकिन सकता है तनाव और तकलीफ की वजह से उन्होंने यह कदम रही हैं, लेकिन कभी उन्होंने ड्यूटी के लिए मना नहीं किया है। और शिक्षिका से संपर्क करके स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की

जाएगी। सीढियां चढना हो रहा था मुश्किल- एक अन्य शिक्षक ने बताया कि कई बार लोग घर पर नहीं मिलते, जबिक बीएलओ को घर-घर जाकर सत्यापन करना होता है। इस सेक्टर में काफी अपार्टमेंट बने हुए हैं, ऐसे में हर फ्लैट तक पहुंचना बड़ी चुनौती है। उनका स्वास्थ्य पहले से ही खराब रहता है, इसलिए उनके लिए दिक्कत और बढ़ गई थी। एसआईआर प्रक्रिया में देरी पर 17 बीएलओ के खिलाफ मामला दर्ज- जेवर में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान गणना प्रपत्र भरवाने का कार्य सुस्त पड़ता दिख रहा है। अब तक 1 लाख से भी कम महज 25 प्रतिशत नागरिकों ने ही गणना प्रपत्र में अपनी जानकारी दर्ज की है। घर-घर पहुंचकर बीएलओ लोगों से फॉर्म भरवा रहे हैं, ताकि मतदाता सुची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके। इस बीच एसडीएम के आदेश पर काम में लापरवाही और एसआईआर गणना प्रपत्रों की प्रक्रिया पूरी करने में देरी के आरोप में 17 बीएलओ के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। विभागीय जांच में पाया गया कि कई बीएलओ अपने–अपने क्षेत्रों में अनियमितता बरत रहे हैं। संबंधित अधिकारियों का कहना है कि कि जिन बीएलओ को नोटिस दिया गया है, उनकी लापरवाही से गणना कार्य प्रभावित हुआ है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सभी बीएलओ को समय सीमा के भीतर प्रपत्र वितरण और संग्रह का काम पूरा करना अनिवार्य है। लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि प्रपत्र भरते समय आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं और सही जानकारी दें, जिससे मतदाता सूची को सटीक और अद्यतन बनाया जा सके।

गोपाल दास नीरज ने लिखे थे धर्मेंद्र की फिल्मों के लिए गीत, अलीगढ़ आते-आते रह गए थे धरम जी

अभिनेता धर्मेंद्र के निधन से अलीगढ़ में शोक की लहर दौड़ गई। उनके चाहने वालों ने सोशल मीडिया पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। धर्मेंद्र का एक बार अलीगढ़ आने का प्लान बना था, पर वह आते-



नहीं पीछे भी... लिखा था जो राज कपूर पर फिल्माया गया। इस फिल्म

पत्थर रिलीज के समय दिल्ली से धर्मेंद्र और फिल्म के निर्देशक ओपी रल्हन, जिन्होंने इस फिल्म में अभिनय भी किया था, दोनों को अलीगढ़ के निशात सिनेमा पर आना था। निशात सिनेमा में लोगों की बहुत भीड़ थी। धर्मेंद्र को देखने के लिए हजारों लोग बारहद्वारी पर इकट्ठा हो गए। देर रात ओपी रल्हन एक गाड़ी से आए। मौजूद लोगों से कहा गया कि धर्मेंद्र कुछ व्यवस्था के चलते नहीं आ पाए हैं, लेकिन उन्होंने अपना प्यार और शुभकामनाएं अपने प्रशंसकों को भेजी हैं। इसके अलावा रल्हन ने फिल्म के कुछ संवाद भी लोगों के सामने प्रस्तुत किए थे। गोपाल दास नीरज के पुत्र मिलन प्रभात नीरज ने बताया कि पापा जी के साथ आरके स्टूडियों में धर्मेंद्र जी से मुलाकात हुई। पापा जी ने उनकी कई फिल्मों के लिए गीत भी लिखे। धर्मेंद्र जी महान अभिनेता थे। उनके निधन की खबर ने सभी को दुख में डूबो दिया है।

आते रह गए बॉलीवड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का आज 89 साल की उम्र में निधन हो गया। अलीगढ के गोपाल दास नीरज ने धर्मेंद्र की फिल्मों के लिए गीत लिखे। एक बार अलीगढ आने की प्लानिंग उनकी बनी, पर वह आते-आते रह गए।अभिनेता धर्मेंद्र की फिल्म मेरा नाम जोकर में गोपाल दास नीरज ने अमर गीत ए भाई जरा देखकर ट्रक से टकराकर पलटा ई रिक्शा, मामा-भांजे

के साथ अभिनय से घायल हो गईं।इंस्पेक्टर कर रहे थे।अलीगढ़ जमालनगर निवासी गुडिया राठौर आते-आते रह गए के नेवलगंज महराजपुर में शादी थे धर्मंद्र- इसके को वह मलिहाबाद के केवलहार अलावा धर्मेंद्र की से लौट रही थीं। दोपहर लगभग पहली सुपरहिट रफ्तार ई रिक्शा सामने से आ फिल्म फूल और में गुड़िया, उनकी बेटियां जाह्नवी

चालक सनी ई रिक्शा के नीचे



की मौत, तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह में धर्मेंद्र भी एक काकोरी के मोहान रोड स्थित इब्राहिमगंज के पास सामने से आ रहे ट्रक में तेज रफ्तार ई रिक्शा टकराकर पलट गया। हादसे में ई रिशयन कलाकार रिक्शा सवार चालक सनी राठौर (28) और उनके रिश्ते के भांजे वासू (6) की मौत हो गई। वासू की मां और दो बहनें गंभीर रूप

काकोरी सतीश चंद्र राठौर के अनुसार, दुबग्गा

(40) शनिवार को परिवार के साथ उन्नाव समारोह में शामिल होने गई थीं। रविवार निवासी बुआ के बेटे सनी राठौर के ई रिक्शे तीन बजे इब्राहिमगंज रानीखेड़ा के पास तेज रहे ट्रक से टकराने के बाद पलट गया हादसे (12), मानवी (10), बेटा वासू और दब गए। पुलिस ने सभी घायलों को लोकबंधु

अस्पताल पहुंचाया। यहां वासू की मौत हो गई। सनी को ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। ट्रामा सेंटर पहुंचने पर सनी की भी मौत हो गई। ्रदेक को कब्जे में ले लिया गया है। चालक संभल निवासी मनवीर सिंह पुलिस हिरासत में है। आरोप है कि सनी शराब के नशे में था, लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की। दोनों परिवार सदमे में हादसे में मासूम वासु और सनी की मौत की खबर जब उनके घर पहुंची तो दोनों के परिवार में कोहराम मच गया। वासू के पित्ता दीपू खेती करते हैं। वहीं, सनी के परिवार में पिता चाट विऋेता सुरेश, मां माया देवी, दो भाई व पांच बहनें हैं। रफ्तार थी बहुत ज्यादार परिजनों के अनुसार सनी ने कुछ माह पहले ही नया ई रिक्शा खरीदा था। घटना के चश्मदीदों का कहना है कि हादसे के वक्त ई रिक्शा की रफ्तार काफी अधिक थी।

संक्षिप्त समाचार

www.knlslive.com

पशु तस्करों ने पुलिस टीम पर की फायरिंग, मुठभेड़ में तीन गिरफ्तार, गोली लगने से दो घायल

शाहजहांपुर के खुटार क्षेत्र में पशु तस्करों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दो आरोपियों के पैर में गोली लगी है। पुलिस के

करने पर आरोपियों ने फायरिंग शाहजहांपुर के खुटार क्षेत्र में



प्रतिबंधित पशु को मारने के तीन आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से दस राउंड फायरिंग हुई। इसमें पीलीभीत जनपद के पूरनपुर क्षेत्र के भूरे खां और जफर के पैर में गोली लगी है। तीसरा आरोपी जावेद भी पूरनपुर का रहने वाला है। गांव बेला और तुलापुर के बीच सूखी नहर में नौ नवंबर की रात एक संरक्षित पशु को मार दिया गया था। मौके से पशु का सिर, खाल आदि अवशेष बरामद हुए थे। मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। 11 नवंबर की रात पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर गांव जादौंपुर कलां के मुजीबुर्रहमान को मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया था। उसके दाहिने पैर में गोली लगी थी। अन्य आरोपी भाग निकले थे। सीओ प्रवीण मलिक ने बताया कि 23 नवंबर की रात पौने 12 बजे मुखबिर की सूचना पर गांव बुझिया बरकलीगंज की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में मूलरूप से पीलीभीत के थाना पूरनपुर क्षेत्र के गांव शेरपुर कलां और वर्तमान में पूरनपुर के मोहल्ला ढका निवासी भूरे खां के दाहिने पैर और शेरपुर कलां और वर्तमान में पूरनपुर के मोहल्ला रजागंज निवासी जफर के बाएं पैर में गोली लग गई। आरोपियों से तमंचा, कारतूस, चाकू और गड़ासा बरामद -पुलिस ने उन लोगों को पकड़ लिया। दोनों आरोपियों का साथी मूलरूप से शेरपुर कलां के मोहल्ला इस्लामनगर और वर्तमान में पूरनपुर के मोहल्ला ढका के जावेद उर्फ करिया को भी पकड़ा गया है। आरोपियों के पास से एक तमंचा, कारतूस के दो खोखे, दो कारतूस, गड़ासा, चाकू, रस्सी, लकड़ी का गुटका बरामद हुआ है। आरोपियों पर पहले से दर्ज गोवध अधिनियम की रिपोर्ट के बाद, आर्म्स एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है।

स्थगन आदेश के बाद मुकदमे को दशकों तक लटकाना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग, द्वितीय अपील खारिज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 45 साल पुराने जमीन के एक विवाद में स्थगन आदेश हासिल कर मुकदमे को दशकों तक लंबित रखने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि यह न्यायिक प्रिक्रिया का दुरुपयोग है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 45 साल पुराने जमीन के एक विवाद में स्थगन आदेश हासिल कर मुकदमे को दशकों तक लंबित रखने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि यह न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की अदालत ने बलिया निवासी शेख मोहम्मद मुर्तजा की द्वितीय अपील खारिज कर दी।मामला बलिया जनपद निवासी शेख वाजिद अली और शेख मोहम्मद मर्तजा के बीच जमीन पर कब्जे का है। टायल कोर्ट ने 1979 में वाजिद अली के पक्ष में फैसला दिया था। इसके खिलाफ प्रतिवादी मोहम्मद मुर्तजा की पहली अपील 1980 में जिला जज कोर्ट से खारिज हो गई। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में दूसरी अपील दाखिल की लेकिन 1980 से अब तक तक वह यह बताने में विफल रहे कि आखिर वह विधि के किस महत्वपूर्ण बिंदु पर सुनवाई चाहते हैं। कोर्ट ने यह भी पाया कि ट्रायल कोर्ट ने खतौनी, मानचित्र और गवाहों के आधार पर जमीन का सही मालिक व कब्जाधारी तय किया था।

Prepare fresh rose water in just 10 minutes, learn the easy method that no one knows.

If the rose water available in the market doesn't suit you, don't worry. Here, we're going to tell you how to make rose water at home. Commercial rose water is often filled with chemicals,

preservatives, and artificial fragrances, with sensitive skin often experience water. It can often cause allergic reactions, worry about this, because you can easily Homemade rose water is not only within without any side effects. In this water, its benefits, and the proper way to Making Rose Water at Home: 8-10 fresh Method: To make rose water, first wash Place them in a steel container and add a the water to a boil. Once the color completely, let the rose water cool, then it in the refrigerator. It's safe for 10-12 always be kept refrigerated, otherwise it the skin: Rose water gently narrows This leaves the skin neither too dry nor natural balance. Regular use leaves the redness: The natural cooling properties If the face is red due to sun exposure or



which are not tolerated by everyone's skin. People significant problems with this chemical-laden rose itching, or irritation. But now you don't need to make pure and natural rose water at home. completely safe but also nourishes the skin from article, we'll explain the easy method of making rose store it, so your skin stays glowing. Ingredients for rose petals 1 cup filtered water Glass container the fresh rose petals thoroughly with clean water. little water. Then, turn the heat on low and bring changes, turn off the heat. Once the color changes strain it and store it in a glass bottle. Finally, store days. Keep in mind that homemade rose water must will damage your skin. Benefits: 1. Naturally tones pores and maintains the skin's moisture balance. too greasy. It refreshes the skin by maintaining its face looking clean, soft, and fresh. 2. Reduces facial in rose water soothe inflammation and irritation. allergies, using rose water provides relief. Gently

applying it to the face soothes the skin, and the redness gradually fades. 3. Relieves eye fatigue: Rose water reduces puffiness and heaviness around the eyes. Soaking cotton balls in it and holding them over the eyes for a few minutes provides relief. It is also useful in reducing fatigue caused by prolonged use on mobile phones and laptops. It reduces eye strain and provides a feeling of lightness.

If you want the benefit of the 22nd installment, farmers should complete these three tasks today, otherwise...

The next installment of the PM Kisan Yojana will be the 22nd installment. To avoid missing out on this benefit, get the necessary work done now. Numerous schemes have been launched

across the country to provide and central governments run ensure farmers face no difficulties government runs the Pradhan KISAN scheme), which provides of ?2,000 each are given three have been released so far. Now it's requires some work. You can learn advance to avoid delays in your farmers must complete to receive Yojana, installment benefits are are also required to complete tasks could result in a delay in completing these tasks on time is benefits. These tasks are essential installment benefits, it's essential result in a loss. Therefore, it's complete e-KYC at your nearest pmkisan.gov.in. Second, after e-This involves verifying the Kisan Yojana. This is also an work done, you may be deprived



financial assistance to farmers. Both state various schemes at their respective levels to in farming. For example, the central Mantri Kisan Samman Nidhi Yojana (PMfinancial assistance to farmers. Installments times a year, and a total of 21 installments the turn of the 22nd installment, which about these tasks here and get them done in installment. So let's explore the three tasks the 22nd installment. Under the PM Kisan only provided to eligible farmers. Farmers certain tasks, as failing to complete these receiving the installment. Therefore, crucial for farmers to receive the installment for farmers: First, if you want to receive the to complete e-KYC. Failure to do so could crucial to complete these tasks. You can CSC center or the scheme's official portal, KYC, the second task is land verification. cultivable land of farmers enrolled in the PM important task, and if you don't get this of the benefits of the installment. Therefore,

do not forget to get it done. Third task - The third task to avail the benefits of the installment of PM Kisan Yojana is Aadhar linking. This work is necessary for farmers. This involves linking your Aadhar card to your bank account. If you don't get this work done, you may be deprived of the benefits of the installment. Therefore, this important work also has to be done.

Avoid these mistakes when preparing greens in winter to enhance their flavor.

With the arrival of winter, people start preparing greens in their homes. Therefore, you should avoid making certain mistakes while preparing them. As soon as winter begins, the aroma of green vegetables spreads throughout every home.

Mustard, spinach, fenugreek, and other greens are especially this season. Creens prepared during this season not only provide freshness but also wermth and

popular during this season. Greens prepared during vitamins. Consequently, greens are prepared in mistakes often diminish their taste and nutritional preparing them. In this article, we will explain some how to easily avoid them to prepare delicious, cleaning the leaves properly - It is extremely green leaves are covered in dust, dirt, and sometimes two or three times, they not only spoil the food but water. Washing the greens in hot water will clean often cook the tough parts of the greens along with tough parts of the greens are often bitter. slow to cook and can lead to a bitter taste. Therefore, is very important to use the right amount of water much water will make the greens thin and tasteless. Cooking the greens on low heat improves their taste. stirring the saag continuously will darken its color.



Mustard, spinach, fenugreek, and other greens are especially this season not only provide freshness but also warmth and almost every home. But did you know that some small value? Therefore, it is extremely important to be careful while common mistakes people make while preparing greens and nutritious, and authentically Indian-flavored greens. Not important to clean the greens thoroughly. This is because even small insects. If the leaves are not washed thoroughly also have health implications. You can also wash them in hot them thoroughly. Cooking the tough parts together - People the greens. This should never be done. Keep in mind that the Furthermore, cooking both together can make the greens always boil the leaves separately. Adding too much water - It in the greens. Always keep the water in the pan. Adding too Always let the greens cook in their own water over low heat. Stirring frequently - Never stir frequently. Keep in mind that It is better to let it cook slowly on its own. This gives the saag

a very good taste. Overcooking: Boiling the saag for a long time destroys its nutrients. Cook it only till its leaves wilt. It can be made edible by lightly cooking it for a while and adding tadka at the end. Wrong tempering: It is very important to have the right tempering in the saag, because the taste of the saag comes out only through tempering. Many people add too strong spices which suppress its native taste. A mild tempering of desi ghee, garlic and red chili is considered the best.

www.knlslive.com

After "Dhurandhar," Ranveer Singh will play Don; Farhan also provided an update on Priyanka and Katrina's Zee Le Zaraa.

After "Dhurandhar," Ranveer Singh will play Don; Farhan also provided an update on Priyanka and Katrina's Zee Le Zaraa. Farhan Akhtar shared an update on Don 3. He also talked

about Privanka and Katrina's Akhtar is currently promoting chat with fans, he shared longprojects. He addressed involvement in "Don 3" and which is rumored to star - The "120 Bahadur" actor year," putting an end to rumors installment of this iconic Bachchan and later Shah Rukh ever since Ranveer Singh was video in August 2023. The teaser camera, lighting a cigarette, famous line. Now that 2026, expectations are high for rebooted saga. While Kiara buzz now suggests Kriti Sanon Singh. However, official story details are still under same conversation, Farhan also Zaraa, a road-trip drama he



"Jee Le Zaraa." Filmmaker-actor Farhan his war drama "120 Bahadur." During a live awaited updates on his most talked-about speculation about Ranveer Singh's also shared an update on "Jee Le Zaraa," Priyanka, Katrina, and Alia. Don 3 is on track revealed, "I will start work on Don 3 next that the project has been shelved. The third franchise, which first starred Amitabh Khan in the title role, has been in the news revealed as the new Don in the announcement shows Ranveer sitting with his back to the introducing himself as Don and uttering the production has been confirmed to begin in what Farhan and his team will bring to this Advani was initially linked to the film, industry could be the female lead opposite Ranveer confirmation on the cast is still awaited, and wraps. Update on Jee Le Zaraa - During the addressed people's curiosity about Jee Le announced with Priyanka Chopra, Alia Bhatt

and Katrina Kaif. He said, "There is no update on 'Jee Le Zaraa'. I will let you know when I know," hinting that the film is currently on hold, even though it generated a lot of excitement when it was announced. Meanwhile, Farhan Akhtar's 120 Bahadur released on the big screen on November 21.

Farhana Bhatt's mother becomes roast master, leaving these contestants speechless with one-liners.

This week of Bigg Boss Season 19 is very special for all the contestants before the finale, as their family members are joining the show throughout the week to strengthen their game.

Recently, Farhana Bhatt's which fans thoroughly in roasting. These two Farhana Bhatt's mother Bigg Boss 19 has begun, as Currently, there are nine nominated. This week, as the real families of the by one during 'Family the Bigg Boss 19 house along arrival, she not only brought surpassed Pranit More in contestants she roasted: the fights, all the contestants Hotstar shared a funny **Instagram account. In this** about mother her ''It's a lioness's job to claw, immediately tells Farhana's her, saying, "You go away, housemates burst out





mother roasted some contestants upon arrival, enjoyed. Farhana's mother surpassed Praneet contestants' mothers gave a stern lesson became fans' new favorite. The countdown to we will soon know the winner of this season. contestants left in the house, most of whom are emotions have flooded Salman Khan's house current contestants are entering the show one Week'. Farhana Bhatt's mother also entered with Gaurav Khanna's wife Akanksha. Upon a positive atmosphere to the house but also roasting. Read below for details on which Farhana Bhatt's mother roasted Malti - Beyond were seen respecting each other's parents. Jio video of Farhana Bhatt's mother on its official video, when Malti complains to Farhana's daughter's clawing, she immediately replies, not a hen's." Hearing this, Shahbaz mother to stay put. Farhana's mother roasts I'll stay here." Seeing her roasting, all the laughing. Farhana's mother became the

audience's favorite - every season, a parent comes in the family week, who is very much liked by the viewers of this show. Fans are liking Farhana's mother's behavior with all the contestants. One user wrote, "Hey brother, Farhana's mother is so cool." Another user wrote, "Farhana's mother is a real roaster, brother." Another user wrote, "Aunty Rock... everyone was shocked." Many fans are guessing that after seeing her, Farhana is so strong after enduring so much in her childhood, and the reason behind this is her mother, who herself seems like a lioness to the fans.

Did Priya Sachdeva make a mistake in Sanjay Kapoor's will regarding her daughter's name? Karisma's ex-sister-in-law lashes out

October, is still in court. Meanwhile, wife, Priya Sachdeva, for naming her Mandira lashed out at Priya Sachdeva over Safira." The dispute over Sanjay Kapoor's ongoing since October. Following the death Kapoor's ex-husband, Sanjay Kapoor, the ongoing since October. Sanjay Kapoor's about the removal of Karisma Kapoor's of her daughter Safira. Recently, while Sachdeva, Mandira has claimed that she is forward his legacy through her ex-husband Mandira said while coming out in support raised on mentioning Safira as daughter in has questioned in the podcast on including

the will. She said, "Safira is mentioned as

Daughter) is his daughter, not Safira. Safira

alive." Mandira further said, "How can you

(Sunjay Kapur) took care of Safira, but he

After Sanjay Kapoor's death, the question of who is the rightful heir to his 30,000 crore rupees estate remains unresolved. The legal battle over the businessman's property, which began in Sanjay's sister Mandira reprimanded his third daughter Safira instead of Samaira in the will. the will, saying, "Samira is the real daughter...not 30,000 crore rupees worth of property has been of Delhi-based businessman and Karisma battle over his 30,000 crore rupees estate has been sister, Mandira Kapoor, has raised questions children's names from the will and the inclusion slamming Sanjay Kapoor's third wife Priya trying to wipe out her brother's lineage and carry Vikram Chatwal's daughter. Let us tell you what of Karisma Kapoor's daughter Samaira. Question the will - According to a news in NDTV, Mandira the name of her and Vikram's daughter Safira in daughter in the will. Samaira (Karisma Kapoor is his stepdaughter and her biological father is do this to that family? No one is denying that Bhai does not have control over Samaira. Safira is not

his own daughter, but his stepdaughter. Stop rewriting his lineage." In fact, in October, Karisma Kapoor's lawyer Mahesh Jethmalani had expressed 'doubts' over the will presented by Priya Sachdeva. Karisma's children were kept out of Sanjay's will - The will presented by Sanjay Kapoor's third wife Priya Sachdeva in the court only includes the names of Priya (wife), Azarias (Sanjay and Priya's son) and Safira (Priya and Vikram's daughter). Sanjay Kapoor and Karisma Kapoor's children, Samaira and Kiaan, were excluded from the will. Pointing this out, Mandira said, "My brother was a special person. You can't misspell his son's name or his daughter's address. This wasn't a mistake, it was intentional. Because you lived with my brother for seven years, you can't erase the things we grew up with. No one changes so much in seven years. Spelling mistakes, wrong pronunciations, these are all signs." Expressing her anger against Priya, Mandira further said, "You're excluding the entire family from this; you've stolen it from our family. It's ours, what have you done? You just got married, really...seriously. Have a child and it's all yours? Then everyone should get married like this: get married, have a child, and then everything's ours." Let us tell you that earlier, Samaira and Kiyan had filed a case in the Delhi High Court, accusing Priya of fraud and excluding them from their father's will worth Rs 30 thousand crores.